दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास...

रोजाना 10 मिनट स्केचिंग करने ...8

बलरामपुर
शुक्रवार ,27 फरवरी 2026
वर्ष: 05 अंक : 146 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, में एक साथ प्रसारित ।

सम्पादक : राजेश शर्मा

9415163471, 9453824459 Dainik Budh ka sandesh @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

यूपी में अब रोबोटिक्स' और हरित हाइड्रोजन का हब! जापान के साथ सीएम योगी की मेगा डील

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जापान के यामानाशी प्रांत के गवर्नर कोतारो नागासाकी से बृहस्पतिवार को मुलाकात की। इस दौरान उत्तर प्रदेश सरकार और यामानाशी प्रांत के बीच हरित हाइड्रोजन प्रौद्योगिकी को लेकर समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। राज्य सरकार द्वारा यहां जारी बयान के मुताबिक इस समझौते के तहत भारतीय छात्रों को जापान में उच्चस्तरीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यामानाशी में आयोजित 'यूपी इन्वेस्टमेंट रोड शो' में प्रदेश की नई विकास नीति और निवेश संभावनाओं को वैश्विक उद्योग जगत के सामने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश तथा यामानाशी के बीच हरित हाइड्रोजन प्रौद्योगिकी को लेकर एमओयू पर हस्ताक्षर हुए हैं। इसके तहत उत्तर प्रदेश के उच्च प्रौद्योगिकी संस्थानों के छात्र जापान में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। आदित्यनाथ ने कहा यह पहल प्रधानमंत्री नेरन्द्र मोदी के शुद्ध शून्य लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी अगुवाई में राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने तोक्यो में कई जी2जी (सरकार से सरकार) और जी2बी (सरकार से व्यवसाय) स्तर की बैठकों में भाग लिया, जहां भारतीय दूतावास के सहयोग से जापानी उद्योग समूहों से व्यापक संवाद हुआ। बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने 'रोबोटिक्स' को भविष्य की प्रमुख प्रौद्योगिकी बताते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने बजट में

'रोबोटिक्स' के लिए 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' स्थापित करने की व्यवस्था की है। उन्होंने कहा, '' हमें विश्वास है कि उत्तर प्रदेश और यामानाशी के बीच सहयोग भारत–जापान संबंधों को नई ऊंचाई तक ले जाएगा और ऊर्जा आत्मनिर्भरता तथा प्रौद्योगिकी को आम जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।'' आदित्यनाथ ने यामानाशी प्रांत के गवर्नर और उनके दल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जापान सरकार और यामानाशी प्रशासन ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल को उनके विशिष्ट क्षेत्रों को नजदीक से समझने और उद्योग जगत से सीधे संवाद का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर मौजूद प्रमुख उद्योगपतियों और उपस्थित भारतीय समुदाय के लोगों का भी अभिवादन किया। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जानकारी दी, '' जापान के यामानाशी प्रांत में उत्तर प्रदेश–यामानाशी सहयोग को और मजबूत करने एवं हमारी बढ़ती रणनीतिक भागीदारी को आगे बढ़ाने के लिए गवर्नर कोतारो नागासाकी के साथ सार्थक बातचीत हुई।'' उन्होंने कहा कि उद्योग, पर्यटन एवं प्राविधिक शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग को गहरा करने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए, जो हरित हाइड्रोजन, स्वच्छ ऊर्जा नवोन्मेष एवं प्रौद्योगिकी के आदान–प्रदान पर केंद्रित हैं। इसमें कहा गया, '' उत्तर प्रदेश, ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सतत भविष्य के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए आईआईटी कानपुर को हरित हाइड्रोजन में 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के तौर पर विकसित कर रहा है।

इजराल में किसी की आंखें सूखी नहीं रहीं

पीएम मोदी के नेसेट भाषण पर भावुक हुए बेंजामिन नेतन्याहू

तेल अवीव। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इजराइल यात्रा ने न केवल कूटनीतिक बल्कि भावनात्मक स्तर पर भी एक नया इतिहास रच दिया है। इजराइली संसद नेसेट में पीएम मोदी के संबोधन के बाद इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अत्यंत भावुक

प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मोदी के शब्दों ने पूरे इजराइल को रुला दिया और ष्इजराइल में एक भी आंख सूखी नहीं बची।ष

मोदी के दो दिन के दौरे को "छोटा लेकिन बहुत फायदेमंद और बहुत दिल को छूने वाला" बताते हुए, नेतन्याहू ने कहा, "यह एक शानदार दौरा है, एक शानदार दौरे का शानदार नतीजा। मुझे लगता है कि कल नेसेट में आपके दिल को छूने वाले बयान के बाद इजराइल में कोई भी आँख सूखी नहीं बची। तब से, हमें न केवल अपने दिलों में गहराई से देखने का मौका मिला है, बल्कि हमारे दोनों देशों के शानदार दिमागों को भी देखने का मौका मिला है।"

याद वाशेम में, याद का एक पलः इससे पहले, मोदी नेतन्याहू के साथ इजराइल के वर्ल्ड होलोकॉस्ट रिमेंबरेंस सेंटर, याद वाशेम का दौरा किया। दोनों नेताओं ने हॉल ऑफ नेम्स का दौरा किया, जहाँ नेतन्याहू ने मोदी को अपनी पत्नी सारा के उन रिश्तेदारों के नाम दिखाए जो होलोकॉस्ट में मारे गए थे। एक मेमोरियल सेरेमनी के दौरान, मोदी ने पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए फूल चढ़ाए और एक पत्थर रखा। विदेश मंत्रालय के स्पोक्सपर्सन रणधीर जायसवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ष्होलोकॉस्ट के पीड़ितों की याद का सम्मान करते हुए और शांति और इंसानी इज्जत बनाए रखने के हमारे साझा कमिटमेंट को रिन्यू करते हुए।ष

रिश्ते गहरे होने पर समझौता ज्ञापन पर साइन

यह बात तब आई जब भारत और इजराइल ने दोनों नेताओं की मौजूदगी में कई समझौता ज्ञापनों का आदान–प्रदान किया, जिससे द्विपक्षीय संबंधों की बढ़ती स्ट्रेटेजिक गहराई पर जोर दिया गया। मोदी का यह दौरा नौ साल में उनका दूसरा इजराइल दौरा था, जिससे जुलाई 2017 के उनके दौरे के दौरान स्ट्रेटेजिक लेवल तक बढ़ी पार्टनरशिप और मजबूत हुई।

कहीं भी आतंक हर जगह शांति के लिए खतरा है

नेसेट को संबोधित करते हुए, मोदी ने 7 अक्टूबर, 2023 को हमास के "बर्बर आतंकवादी हमले" की निंदा की और इजराइल के साथ एकजुटता दिखाई। उन्होंने कहा, "हम आपका दर्द महसूस करते हैं। हम आपका दुख समझते हैं।" मोदी ने गाजा शांति पहल के लिए भारत के समर्थन की घोषणा करते हुए कहा कि यह "इस क्षेत्र के लिए एक न्यायपूर्ण और टिकाऊ शांति का वादा करता है"। खतरे की ग्लोबल प्रकृति पर जोर देते हुए, उन्होंने कहा कि आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए लगातार और कोऑर्डिनेटेड इंटरनेशनल कार्रवाई की जरूरत है क्योंकि "कहीं भी आतंक हर जगह शांति के लिए खतरा है"।

न्यायपालिका पर विवादास्पद अध्याय

सुप्रीम कोर्ट ने एनसीईआरटी की किताब पर लगाया पूर्ण प्रतिबंध

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एनसीईआरटी की सामाजिक विज्ञान की उस किताब पर पूर्ण और निरपेक्ष प्रतिबंध लगा दिया है, जिसमें श्न्यायपालिका में भ्रष्टाचार नामक एक अध्याय शामिल था। न्यायालय ने इस

मामले को ष्गहरी साजिशष करार देते हुए स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव और एनसीईआरटी के निदेशक दिनेश प्रसाद सकलानी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। केंद्र ने आज सुप्रीम कोर्ट को बताया कि जो लोग श्ज्यूडिशियरी करप्शनश पर चौप्टर का ड्राफ्ट बनाने में शामिल हैं, वे न्ळ६ या किसी भी मिनिस्ट्री के साथ काम नहीं करेंगे। केंद्र ने बिना शर्त माफी भी मांगी है, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, ष्एक सुओ मोटो केस में, हम बिना शर्त माफी मांगते हैं।ष इस बीच, चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने पलटवार करते हुए कहा, ष्मीडिया में हमारे दोस्तों ने यह नोटिस भेजा है। इसमें माफी का एक भी शब्द नहीं है।

जब **SG** मेहता ने कहा कि 32 किताबें बिक चुकी थीं लेकिन अब इसे वापस ले लिया गया है, तो ब्श्रप ने कहा कि यह जानबूझकर किया गया कदम था। ब्श्रप ने कहा, ष्पूरी टीचिंग कम्युनिटी को बताया जाएगा कि इंडियन ज्यूडिशियरी करप्ट है और केस पेंडिंग हैं... फिर स्टूडेंट्स, और फिर पेरेंट्स। यह एक गहरी साजिश है।ष

रिलायंस समूह पर ईडी का शिकंजा!

अनिल अंबानी से दूसरे दौर की पूछताछ, 3716 करोड़ का बंगला एबोड कुर्क

मुंबई। रिलायंस समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी के लिए मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी और धनशोधन के मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने अपनी जांच तेज कर दी है। बृहस्पतिवार को अनिल अंबानी दिल्ली स्थित ईडी

कार्यालय में पूछताछ के लिए पेश हुए, जबकि इससे ठीक एक दिन पहले एजेंसी ने उनके मुंबई स्थित आलीशान आवास पर बड़ी कार्रवाई की थी। अंबानी (66) पूर्वाह्न करीब साढ़े 10 बजे मध्य दिल्ली स्थित संघीय जांच एजेंसी के कार्यालय पहुंचे। इससे पहले उनसे अगस्त 2025 में पूछताछ की गई थी। एजेंसी के अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत उनका बयान दर्ज किया है। यह जांच उनकी समूह कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) द्वारा कथित रूप से 40,000 करोड़ रुपये से अधिक के बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले से संबंधित है। इस जांच के तहत जनवरी में ईडी ने आरकॉम के पूर्व अध्यक्ष पुनीत गर्ग को गिरफ्तार किया था। एजेंसी ने पहले दावा किया था कि कथित तौर पर हेराफेरी की गई धनराशि को आरकॉम की कई विदेशी अनुषंगी कंपनियों और विदेशी संस्थाओं के माध्यम से ''डायवर्ट'' किया गया था। अंबानी और उनके समूह की विभिन्न कंपनियों पर ऋण धोखाधड़ी के आरोप हैं। ईडी ने हाल ही में इन सभी मामलों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। एसआईटी का गठन उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के बाद किया गया। ईडी ने बुधवार को धनशोधन रोधी कानून के तहत अनिल अंबानी के मुंबई स्थित आवास 'एबोड' को अस्थायी रूप से कुर्क कर लिया था। इसकी कीमत 3,716 करोड़ रुपये बताई गई है। ईडी द्वारा शीर्ष अदालत को दी गई जानकारी के अनुसार, उसने अनिल धीरूभाई अंबानी समूह (एडीएजी) के खिलाफ बैंक ऋण धोखाधड़ी और अन्य वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों की जांच के लिए धनशोधन के तीन मामले दर्ज किए हैं।

जवारह नेहरू के कार्यालय में सक्रिय थे विदेशी जासूस

संबित पात्रा का दावा, एआई समिट विवाद के बीच बीजेपी का कांग्रेस पर बड़ा हमला

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस समिट को लेकर जारी खींचतान के बीच, भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस और भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पर अब तक का सबसे तीखा हमला बोला है। भाजपा ने आरोप

लगाया है कि नेहरू ने हमेशा ष्एक ब्रिटिशष की तरह व्यवहार किया और जानबूझकर ऐसी गलतियां कीं जिससे देश की सुरक्षा और हितों के साथ श्समझौताश हुआ।

नेहरू के कार्यालय में सक्रिय थे विदेशी जासूसः संबित पात्रा

नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, पार्टी सांसद संबित पात्रा ने नेहरू काल की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि उस समय भारत का सचिवालय विदेशी खुफिया एजेंसियों का अड्डा बन गया था। पात्रा ने आरोप लगाया कि नेहरू के विशेष सहायक एम.ओ. मथाई एक अमेरिकी एजेंट के रूप में जाने जाते थे। उन्होंने दावा किया कि 1960 के दशक में रूस की खुफिया एजेंसी झळठ के एजेंट भी नेहरू के कार्यालय में सक्रिय थे। भाजपा प्रवक्ता ने कहा, उस समय यह कहा जाता था कि विदेशी शक्तियों को जो भी गुप्त दस्तावेज चाहिए होते थे, वे नेहरू के कार्यालय से आसानी से उपलब्ध हो जाते थे। नेहरू ने तिब्बत चीन को गिफ्ट कर दिया प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, पात्रा ने आरोप लगाया कि पंचशील समझौते के तहत तिब्बत चीन को गिफ्ट कर दिया गया था। उन्होंने दावा किया कि नेहरू को **IB** ने अक्साई चिन में चीन द्वारा सड़क बनाने के बारे में बताया था, लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री ने इसे पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया। पात्रा ने कहा कि नेहरू चीन को बचाने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने 1962 के युद्ध में चीन से भारत की हार के लिए भी नेहरू को दोषी ठहराया, क्योंकि उन्होंने अपने रिश्तेदार जनरल बीएम कौल को चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ नियुक्त किया था और फॉरवर्ड पॉलिसी अपनाई थी।

यौन उत्पीड़न के आरोपों पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने तोड़ी चुप्पी, आरोप लगाने वाले के खिलाफ ही दर्ज कराया मुकदमा

प्रयागराज में बटुकों (बालकों) के यौन शोषण के आरोपों को लेकर ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने खुद पर लगे आरोपों को पूरी तरह बेबुनियाद बताते हुए आरोप लगाने वाले आशुतोष ब्रह्मचारी के खिलाफ ही पॉक्सो एक्ट की धारा 22 के तहत मुकदमा दर्ज करा दिया है। शंकराचार्य का कहना है कि कानून के मुताबिक अगर कोई किसी पर झूठा केस करता है, तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जा सकती है। शंकराचार्य ने दावा किया कि जिन दो लड़कों के यौन शोषण की बात कही जा रही है, वे लंबे समय से आशुतोष ब्रह्मचारी के पास ही रह रहे थे। उन्होंने कहा कि अगर मेडिकल रिपोर्ट में बच्चों के साथ गलत होने की पुष्टि हुई है, तो इसका जिम्मेदार वही व्यक्ति है जिसके पास बच्चे रह रहे थे। स्वामी जी ने साफ किया कि उनका उन बच्चों से कोई संपर्क नहीं था और वे कभी उनके गुरुकुल भी नहीं आए।

सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद शिक्षा मंत्री का कड़ा रुख, दोषियों पर होगी कार्रवाई

कक्षा 8 की एनसीईआरटी किताब में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार नामक पाठ को लेकर विवाद गहरा गया है। इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त नाराजगी जताई है, जिसके बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का बड़ा बयान सामने आया है। शिक्षा मंत्री का रुखः झारखंड के सरायकेला खरसावां में मीडिया से बात करते हुए धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि एनसीईआरटी की किताबों में न्यायपालिका के बारे में ऐसी बातें लिखना चिंता का विषय है। उन्होंने बताया कि मामला सामने आते ही किताबों का रिव्यू कराया गया है। शिक्षा मंत्री ने इस घटना पर गहरा अफसोस जताया और भरोसा दिया कि जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी ताकि भविष्य में ऐसी गलती दोबारा न हो।

द केरल स्टोरी 2 की रिलीज टली, केरल हाई कोर्ट ने शेंसर बोर्ड के नियमों पर उठाए सवाल

रिलीज से ठीक एक दिन पहले द केरल स्टोरी 2 के निर्माताओं को बड़ा झटका लगा है। केरल हाई कोर्ट ने गुरुवार को फिल्म की रिलीज पर रोक लगा दी है। इस हफ्ते की शुरुआत में फिल्म के सेंसर सर्टिफिकेट को चुनौती देते हुए एक याचिका दायर की गई थी। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस बेचू कुरियन थॉमस ने आदेश दिया कि फिल्म अपनी तय तारीख यानी 27 फरवरी को रिलीज नहीं होगी। कोर्ट ने सेंसर बोर्ड की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि नियमों का ठीक से पालन नहीं किया गया। दूसरी ओर, इंडिया टुडे ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया कि फिल्म के निर्माता इस रोक के खिलाफ केरल

हाई कोर्ट की बड़ी बेंच का दरवाजा खटखटाने की तैयारी में हैं। सूत्रों के अनुसार, आज ही इसके खिलाफ अपील की जा सकती है। मेकर्स कोर्ट से जल्द से जल्द डिटेल्ड ऑर्डर की मांग कर रहे हैं ताकि वे इसे चुनौती दे सकें और फिल्म की रिलीज में ज्यादा देरी न हो। विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्मित और कामाख्या नारायण सिंह के निर्देशन में बनी यह फिल्म अपने ट्रेलर के बाद से ही विवादों में है। फिल्म में दावा किया गया है कि हिंदू लड़कियों को धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया जाता है। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान माना कि याचिकाकर्ताओं की चिंताएं जायज हो सकती हैं। एक बायोलॉजिस्ट श्रीदेव नंबूदरी ने आपत्ति जताई थी कि फिल्म में केरल की छवि को बेहद नकारात्मक दिखाया गया है, जिससे समाज पर बुरा असर पड़ सकता है।

विवादों के बीच ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी द केरल स्टोरी

द केरल स्टोरी 2 से पहले साल 2023 में रिलीज हुई द केरल स्टोरी भी अपनी रिलीज से पहले और बाद में भारी विवादों में घिरी रही थी। फिल्म में दावा किया गया था कि केरल की हजारों लड़कियों का धर्म परिवर्तन कराकर उन्हें आतंकी संगठन आईएसआईएस में शामिल किया गया, जिस पर केरल सरकार और कई संगठनों ने कड़ी आपत्ति जताई थी। मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा, जहां फिल्म के दावों के आंकड़ों को लेकर सवाल उठाए गए और मेकर्स को डिस्क्लेमर बदलने का निर्देश दिया गया। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में फिल्म के प्रदर्शन पर रोक भी लगाई गई थी। हालांकि, इन तमाम विरोधों के बावजूद फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ऐतिहासिक प्रदर्शन किया।

एपस्टीन कनेक्शन की जांच के बीच वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के CEO का इस्तीफा

नई दिल्ली। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरमके सीईओ बोर्ज ब्रेंडे ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। यह फैसला उनके और दिवंगत दोषी यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के बीच संबंधों की जांच शुरू होने के बाद लिया गया है। अमेरिकी न्याय विभाग की ओर से सामने आई जानकारी में बताया गया कि ब्रेंडे ने एपस्टीन के साथ तीन बार कारोबारी डिनर किए थे। इसके अलावा दोनों के बीच ईमेल और टेक्स्ट मैसेज के जरिए बातचीत भी हुई थी। हालांकि ब्रेंडे ने अपने इस्तीफे के बयान में एपस्टीन का नाम नहीं लिया, लेकिन जांच की खबरों के बीच उनका पद छोड़ना अहम माना जा रहा है।

श्रीमद् भागवत कथा में कृष्ण जन्म पर झूम उठे श्रद्धालु

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। जनपद के मेहनौना में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन का आयोजन अत्यंत भक्तिमय और उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस दिन कथा का मुख्य केंद्र भगवान श्रीकृष्ण के कारागार में दिव्य अवतरण, वासुदेव जी द्वारा उन्हें यमुना पार कर गोकुल पहुंचाने तथा नंद बाबा के घर नंदोत्सव मनाए जाने का भावपूर्ण प्रसंग रहा। जैसे ही भगवान के जन्म का वर्णन हुआ, पूरा पंडाल "नंद के आनंद भयो, जय कन्हैयालाल की" जैसे मंगलगीतों से गूंज उठा। श्रद्धालु भक्त भाव–विभोर होकर झूम उठे और वातावरण भक्ति एवं आनंद से सराबोर हो गया। चतुर्थ दिवस पर भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के साथ वामन अवतार और भक्त प्रह्लाद की प्रेरणादायक कथाओं का भी विस्तार से वर्णन किया गया। कथावाचक महाराज आचार्य डॉ महेश दास जी महाराज ने पूतना वध और बाल लीलाओं का अत्यंत मार्मिक चित्रण करते हुए बताया कि किस प्रकार बालकृष्ण ने पूतना राक्षसी का उद्धार कर यह संदेश दिया कि भगवान शत्रु का भी कल्याण करते हैं। इसके पश्चात वामन अवतार का प्रसंग सुनाते हुए उन्होंने बताया कि किस प्रकार भगवान ने राजा बलि का अहंकार हरकर तीन पग में समस्त सृष्टि नाप ली और उन्हें मोक्ष का मार्ग प्रदान किया। साथ ही भक्त प्रह्लाद की अटूट भक्ति और उनकी रक्षा हेतु भगवान के नरसिंह अवतार का भी ओजपूर्ण वर्णन किया गया। महाराज आचार्य डॉ महेश दास जी ने अपने संदेश में कहा कि जब–जब पृथ्वी पर अधर्म और अत्याचार बढ़ता है, तब–तब भगवान विभिन्न रूपों में अवतरित होकर धर्म की स्थापना करते हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं को प्रेरित किया कि वे अपना तन, मन और धन भगवान को समर्पित कर सच्चे मार्ग पर चलें। कृष्ण जन्मोत्सव के भजनों, मंगलगीतों और "जय कन्हैयालाल की" के जयघोष से संपूर्ण क्षेत्र भक्तिरस में डूब गया। कथा स्थल पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने दिव्य आनंद का अनुभव किया और कार्यक्रम श्रद्धा व उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

आनंद हॉस्पिटल बस्ती में आंखों के इलाज का भरोसेमंद केंद्र बना आनंद हॉस्पिटल, 365 दिन आधुनिक मोतियाबिंद सर्जरी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। आधुनिक तकनीक और अनुभवी चिकित्सकों की देखरेख में किफायती इलाज की सुविधा प्रदान कर रहा आनंद हॉस्पिटल एवं आई केयर सेंटर लगातार लोगों का विश्वास जीत रहा है। बस्ती जिले में बरगदवा विवाह मंडप मैरिज हॉल के सामने स्थित यह अस्पताल आज क्षेत्र के मरीजों के लिए भरोसे का दूसरा नाम बन चुका है। यहां आधुनिक उपकरणों और उन्नत चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से नेत्र रोगों का इलाज किया जा रहा है। अस्पताल में अपनी सेवा दे रहे डॉ. राजू सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि यहां मोतियाबिंद का ऑपरेशन अत्याधुनिक मशीनों द्वारा बिना टांके (फेको पद्धति) से किया जाता है। यह सुविधा वर्ष के सभी 12 महीनों में उपलब्ध रहती है। 365 दिन मशीन द्वारा मोतियाबिंद का इलाज होने से

मरीजों को किसी विशेष शिविर या सीमित अवधि का इंतजार नहीं करना पड़ता। उन्होंने बताया कि अस्पताल में काला मोतिया (ग्लूकोमा) का इलाज एवं ऑपरेशन, आंखों के तिरछेपन (भेंगापन) का उपचार और सर्जरी की सुविधा भी उपलब्ध है। इसके साथ ही आंखों के पर्दे (रेटिना) से संबंधित रोगों का इलाज और ऑपरेशन भी आधुनिक उपकरणों की सहायता से किया जाता है। डॉ. सिंह ने कहा कि मधुमेह (शुगर) और उच्च रक्तचाप (बीपी) से पीड़ित मरीजों के लिए लेजर विधि से सफेद मोतियाबिंद का सुरक्षित ऑपरेशन किया जाता है, जिससे जटिलताओं का खतरा कम होता है और मरीज जल्दी स्वस्थ हो पाते हैं। अस्पताल की एक विशेष उपलब्धि यह भी है कि यहां आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए निशुल्क ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को काफी राहत मिल रही है और उन्हें बेहतर इलाज कम खर्च या बिना खर्च के मिल पा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बेहतर चिकित्सा सेवा, साफ–सुथरा वातावरण और मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार के कारण आनंद हॉस्पिटल एवं आई केयर सेंटर क्षेत्र का भरोसेमंद अस्पताल बन चुका है। आधुनिक तकनीक और समर्पित सेवा भाव के साथ यह अस्पताल बस्ती और आसपास के जिलों के मरीजों को गुणवत्तापूर्ण नेत्र चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रहा है।

साइकिल का ताला तोड़ते पकड़ा गया चोर

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। रुधौली तहसील परिसर में उस समय हड़कंप

मच गया जब एक व्यक्ति को साइकिल चोरी करते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया गया। जानकारी के अनुसार तहसील परिसर में मौजूद अधिवक्ताओं ने संदिग्ध गतिविधि देखी तो उस पर नजर रखी। इसी दौरान एक साइकिल को चोरी करने का प्रयास करते हुए उसे पकड़ लिया गया। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान राधेश्याम के रूप में हुई है, जो सोनहा थाना क्षेत्र के भरवालिया गांव का निवासी बताया जा रहा है। अधिवक्ताओं का कहना है कि उक्त व्यक्ति को पूर्व में भी कई बार तहसील परिसर में संदिग्ध अवस्था में घूमते देखा गया था। शक गहराने पर शुक्रवार को सतर्कता बरती गई और उसे चोरी करते हुए धर दबोचा गया। आरोप है कि पकड़ने के बाद अधिवक्ताओं ने उसकी जमकर पिटाई कर दी। बाद में उसे रुधौली पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है तथा आरोपी के आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है। तहसील परिसर में हुई इस घटना से अधिवक्ताओं और आम लोगों में आक्रोश व्याप्त है।

पुरानी नियुक्ति वाले शिक्षकों को TET से छूट देने की मांग, टीचर्स फेडरेशन ने प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के बैनर तले शिक्षकों ने अपनी मांगों को लेकर हुंकार भरी है। जिले के बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन करने के बाद, जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को एक ज्ञापन (ज्ञापन संख्यारू 26–02–2026) प्रेषित किया गया। शिक्षकों की मुख्य मांग है कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम आरटीई लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा आरटीई की अनिवार्यता से मुक्त रखा जाए।ज्ञापन के अनुसार, उत्तर प्रदेश में शशिक्षा का अधिकार अधिनियम–2009 को 27 जुलाई

2011 से प्रभावी किया गया था। नियमों के मुताबिक, इस तिथि के बाद नियुक्त होने वाले शिक्षकों के लिए टेट उत्तीर्ण करना अनिवार्य है, जबकि इससे पहले नियुक्त शिक्षकों को इस नियम से छूट दी गई थी।शिक्षक संघ का कहना है कि 1 सितंबर 2025 को माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए एक निर्णय के बाद, अब देश के सभी राज्यों में पुरानी नियुक्तियों वाले शिक्षकों के लिए भी पदोन्नति और सेवा में बने रहने हेतु **TET** अनिवार्य कर दिया गया है। शिक्षकों का तर्क है कि यह उन अनुभवी शिक्षकों के साथ श्सरासर अन्यायश है जो दशकों से अपनी सेवाएं दे रहे हैं।अध्यादेश की मांगरू संघ ने केंद्र सरकार से अपील की है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मद्देनजर एक नया अध्यादेश लाया जाए या संसद में कानून पारित कर पुराने शिक्षकों को राहत दी जाए। टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो वे आंदोलन को और तेज करेंगे।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष राधेरमण त्रिपाठी, रमेश चन्द्र मिश्र (जिलाध्यक्ष, जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ) और सुषमा सिंह (जिलाध्यक्ष, महिला शिक्षक संघ) समेत भारी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

> हम सरकार से मांग करते हैं कि पुराने अनुभवी शिक्षकों के भविष्य को देखते हुए उन्ह टेट की अनिवार्यता से छूट प्रदान की जाए। यह शिक्षकों के सम्मान और अधिकार की लड़ाई है।
>
> **राधेरमण त्रिपाठी (जिलाध्यक्ष, प्रा० शिक्षक संघ)**

नगर पंचायत गनेशपुर बोर्ड की बैठक में 12 करोड के विकास कार्यों का प्रस्ताव

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। गुरूवार को नगर पंचायत गनेशपुर बोर्ड की बैठक अध्यक्ष सोनमती चौधरी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। बैठक में आगामी वित्तीय वर्ष की बजट पर चर्चा के साथ ही खेल का मैदान, पार्क, मार्केट, सड़क, नाली, विवाह घर आदि के लिये लगभग 12 करोड़ रूपये का प्रस्ताव रखा गया। अध्यक्ष सोनमती चौधरी ने कहा कि गनेशपुर की जनता से जो वायदे किये गये थे उसे चरणबद्ध ढंग से पूरा कराया जा रहा है। नागरिकों को बेहतर सुविधा दिलाना उनकी प्राथमिकता है। बैठक में सभी वार्ड में पेयजल की व्यवस्था हेतु आरओ एवं नई टंकी का निर्माण किया जाने, निकाय की आय हेतु तालाब नीलामी, दुकान लाइसेंस, भवन मानचित्र हाउस टैक्स आदि से धन अर्जित किए जाने पर चर्चा की गई। अधिशासी अधिकारी अजय कुमार पाण्डेय ने बताया कि बोर्ड की बैठक में जो प्रस्ताव आये हैं उसे धन प्राप्त होते ही पूरा कराया जायेगा। बैठक में सभासद रेशमा देवी, निर्मला देवी, अंकित कुमार, ब्रम्हा प्रसाद, मो. फरहान, इन्द्रजीत यादव, मो. फारूक, सुमन, गणेश कुमार, शिव नरायन, दुर्गेश, पूजा, सुनीता देवी, मधु श्रीवास्तव, मो. मुख्तार आदि ने अपने–अपने वार्डो की समस्याओं को रखा और विकास कार्य कराने पर जोर दिया। बोर्ड की बैठक सम्पन्न कराने में दुर्गा प्रसाद चौधरी, मो. आरिफ, रिकूं, विकास, सूरज, सुधीर आदि ने योगदान दिया।

ग्राम पंचायत पिपरा पडरूपुर में कर रहे नाबालिक बच्चे काम

80 मजदूर कागज में चल रहे हैं मौके पर 10 मजदूर

दैनिक बुद्ध का संदेश/ सुशमा मिश्रा

खेसरहा। बांसी खेसरहा ब्लाक के अंतर्गत ग्राम पंचायत पिपरा पडरूपुर ब्लाक खेसराहा रतऊलिया गड्ढे की खुदाई कार्य चल रहा है पर 8 मास्टर रोल 80 मजदूर कागज में चल रहे हैं मौके पर जाकर देखें 10 मजदूर हैं 10 मजदूर का फोटो 8 मास्टर रोल पर लगाया जा रहा है आठ जगहों की हाजिरी चल रही है जिसमें तीन बच्चे नाबालिक उसमें है नाबालिक बच्चे स्कूल में पढ़ाई करते हैं या मनरेगा का काम करते हैं जिसका जॉब कार्ड में नाम है वह दिल्ली मुंबई नौकरी

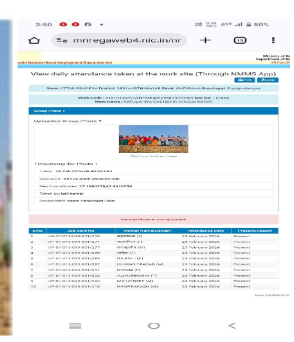

करते हैं मनरेगा ठीक्केदारी पर काम चलता है पुराना फोटो लगाकर सरकार के धान का उगाही किया जा रहा है ऊपर के अधिकारी आंख में पट्टी बांधकर प्रधान को लूट पाठ करने की छुट दिया गया है सोचने की बात है 10 मजदूर कहां–कहां पर काम करते हैं ब्लॉक के अधिकारी कर्मचारी प्रधान रोजगार सेवक मनरेगा के नाम पर भ्रष्टाचार करके अपना जब भर रहे हैं गांव वालों का कहना है कि खंड विकास अधिकारी को शिकायत करने पर कोई शिकायत संज्ञान में नहीं लिया जाता है कोई कार्यवाही नहीं होती है जिलाधिकारी सिद्धार्थ नगर महोदय आप एक नजर खेसरहा ग्राम पंचायत पिपरा पंढरुपुर के तरफ डालें एक मौके पर जांच करके उचित कार्यवाही करने कि मांग।

भारत हिन्दू राष्ट्र बनकर रहेगा–रामभद्राचार्य

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। महर्षि वशिष्ठ आश्रम बढ़नी मिश्र में गुरूवार को

जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने गुरू वशिष्ठ रामायण कथा के नौवे दिन कथा को विश्राम देते हुये श्रीराम वनवास, चित्रकूट सभा, सीता हरण, लक्ष्मण मूर्छा, आदि के अनेक प्रसंगों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुये कहा कि भारत हिन्दू राष्ट्र बनकर रहेगा। रामभद्राचार्य ने कथा क्रम में एक बार फिर यूजीसी के नये नियमों का प्रकरण उठाते हुये इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया। कहा कि भारत में जातियां थी लेकिन जातिवाद कभी नहीं था। सत्ता के भेडिये जातिवाद उत्पन्न कर रहे हैं। श्रीराम ने निषाद राज, सबरी को प्रतिष्ठा दी, यहां कहां जातिवाद है। रामभद्राचार्य ने कहा कि हिन्दुओं को बौद्ध, इसाई, मुसलमान नहीं होंने देंगे, 80 प्रतिशत भारतीय हिन्दू रहेंगे। उनकी इच्छा है कि भारत हिन्दुस्थान बने। दशरथ मरण, चित्रकूट सभा , चरण पादुका के महत्व और अनेक विन्दुओं पर शोधपरक कथा क्रम में रामभद्राचार्य ने कहा कि भगवान के भजन के बिना जलन नहीं जाती। संसार में भजन के लिये चित्रकूट से पवित्र कोई स्थान नहीं। जीवात्मा को परमात्मा को पाना है तो महात्मा के पास जाना पड़ेगा। अयोध्या में श्री भरत हनुमान जी संवाद, रावण के आतंकवाद, सीता हरण सहित अनेक विन्दुओं की व्याख्या और कथा को विश्राम देते हुये रामभद्राचार्य ने कहा कि वे मखौड़ा धाम गये थे। अब बढनी मिश्र के साथ ही सभी तीर्थों का विकास होगा। तुलसी पीठ के उत्तराधिकारी आचार्य रामचंद्र दास जी महाराज ने गुरू वंदना किया। मुख्य यजमान चंद्र भूषण मिश्रा और कथा संयोजक राना दिनेश प्रताप सिंह ने विश्राम अवसर पर कहा कि गुरू .पा से बढनी मिश्र में संसार की पहली महर्षि वशिष्ठ कथा गुरू .पा से हवन, भण्डारे के साथ सम्पन्न हुई। नगर पंचायत नगर की अध्यक्ष नीलम सिंह राना, तहसीलदार वीर बहादुर सिंह , के.के.सिंह ब्लाक प्रमुख यशोवर्धन सिंह , ई. वीरेंद्र मिश्रा , नितीश पाण्डेय मनु , विकास मिश्रा , सीताराम तिवारी , ज्योति तिवारी , नीलम शुक्ला , हरिशंकर पांडेय , अविनाश मिश्रा , वैभव मिश्रा , पप्पू मिश्रा , प्रांशु , अभय सिंह , नमन उपाध्याय , प्रधान पल्लू सिंह , सुरेश चंद्र मिश्रा , प्रीति श्रीवास्तव, ममता सिंह , आयुष सिंह , रमाकांत मिश्रा , पद्मावती मिश्रा , अनिरुद्ध मिश्रा , विमलेश मिश्रा , राजेश त्रिपाठी, नीलम त्रिपाठी, हनुमान , अभिषेक उपाध्याय , दीपचंद्र , सतीश मिश्रा , अनिल मिश्रा ,आदित्य पाण्डेय , शिवाकांत , नितिन मिश्रा , राधेश्याम पाण्डेय , आदेश मिश्रा , रौनक मिश्रा, रणजीत सिंह , कैलाश मोहन श्रीवास्तव , जगदीश पाण्डेय , आशीष सिंह , विजय श्रीवास्तव, चंद्रमनी मिश्रा , श्रुति अग्रहरि के साथ ही हजारों की संख्या में श्रद्धालु भक्त उपस्थित रहे। कवि सम्मेलन महर्षि वशिष्ठ आश्रम बढनी मिश्र में कथा से पूर्व वरिष्ठ कवि डॉ. राम .ष्ण लाल जगमग की अध्यक्षता में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। संचालन विनोद उपाध्याय ने किया। अपनी माटी पर काव्य पाठ करते हुये डा. वी.के. वर्मा ने कहा– ' बढनी की धरती हर्षायी, चहक उठी मन की अमराई, जहां राम ने शिक्षा ली थी, वही पे मैंने शिक्षा पायी' को सराहा गया।

डॉ. राम .ष्ण लाल जगमग की पंक्तियां – अवधपुरी के राज पुरोहित गुरू वशिष्ठ को कोटि प्रणाम, जिनका सदा नमन् करते थे मर्यादा पुरूषोत्तम राम' ने मंच को ऊंचाई दी। विनोद उपाध्याय ने बस्ती की गाथा सुनाई। कवि सम्मेलन में महेश श्रीवास्तव, दीपक सिंह प्रेमी, राजेश मिश्र, शिवा त्रिपाठी, वेद प्रकाश प्रचण्ड, शैलजा पाण्डेय, तेज प्रकाश शुक्ल, अजीत श्रीवास्तव 'राज' अभिषेक श्रीवास्तव, सुशील सिंह कथिक, ने धार्मिक रचनायें सुनाकर वातावरण को सरस किया। सांस्.तिक कार्यक्रम महर्षि वशिष्ठ आश्रम में नौ दिवसीय रामकथा के शुभारंभ से पूर्व एक भव्य सांस्.तिक संध्या का आयोजन किया गया। जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज के मंच पर आगमन से पहले अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण कथक सम्राट पंडित बिरजू महाराज के खानदान की 13वीं पीढ़ी से जुड़े कलाकार अनुप और उनकी धर्मपत्नी नेहा की युगल प्रस्तुति रही। दोनों कलाकारों ने कथक शैली में 'राम विवाह' प्रसंग को जीवंत कर दिया। भगवान श्रीराम और माता सीता के स्वयंवर से लेकर विवाह तक के .श्यों को भावपूर्ण मुद्राओं, सधे हुए पदचालन और घुंघरुओं की मधुर झंकार के साथ प्रस्तुत किया गया। जगद्गुरु के आगमन से पूर्व आयोजित इस सांस्.तिक कार्यक्रम ने रामकथा के लिए भक्तिमय और उत्साहपूर्ण वातावरण तैयार किया। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरा पंडाल तालियों की गूंज से भर उठा। विभिन्न आध्यात्मिक अनुष्ठानों के साथ कथा सम्पन्न हुई। संचालन मयंक श्रीवास्तव ने किया।

टीईटी अनिवार्यता में छूट के लिए शिक्षक संघों ने दिया धरना

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। राष्ट्रीय स्तर पर कई शिक्षक संगठनों से बने टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के नेतृत्व में टीईटी अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों ने अपना आंदोलन तेज कर दिया है। टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के आह्वान पर बृहस्पतिवार को शिक्षक और शिक्षिकाओं ने बीएसए कार्यालय पर धरना देने के उपरांत डीएम कार्यालय पर पहुंच अमित कुमार सिंह को प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। टीएफआई के उपाध्यक्ष राधेरमण त्रिपाठी ने कहा कि सभी शिक्षक संघो ने एक मंच पर आकर टीईटी अनिवार्यता के खिलाफ एकजुटता दिखाते हुए है आर–पार की लड़ाई का मन बना लिया है। इस अव्यवहारिक निर्णय के कारण शिक्षक को सड़क पर उतरना पड़ रहा है। टीईटी कभी भी, किसी भी सूरत में स्वीकार नही है। इंद्रसेन सिंह ने कहा कि शिक्षकों की एकजुटता से ही टीईटी से मुक्ति मिलेगी। महिला शिक्षक संघ की जिलाध्यक्ष सुषमा सिंह ने कहा कि इस निर्णय के कारण शिक्षकों के

मान सम्मान को ठेस पहुंची है। जब कई नौकरियों के लिए अनुभव को आधार बनाया गया है तो इतने अनुभवी शिक्षकों के लिए टीईटी की अनिवार्यता पूर्णतः अव्यवहारिक है, जो स्वीकार नही है। केंद्र सरकार की चुप्पी के कारण शिक्षक सड़क पर उतरने को मजबूर हुआ है। उप्र पूर्व माध्यमिक संघ के रमेश चंद्र मिश्र ने कहा कि इससे पहले 22 फरवरी को टीईटी अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों ने एक बड़ा ट्विटर अभियान चलाया था। इस अभियान के माध्यम से उन्होंने अपनी मांगों को सोशल मीडिया के जरिए सरकार तक पहुंचाया था। लेकिन सरकार चुप है, इससे शिक्षक असमंजस की स्थिति में है। लालजी यादव, अरुण सिंह, सुधाकर मिश्रा, आशुतोष उपाध्याय, शशिकांत, सुशील सिंह, दिनेश शर्मा, शिव कुमार शुक्ला, ऋषि द्विवेदी, प्रजेश द्विवेदी, रामप्रकाश मिश्रा, अजीत सिंह, कृपाशंकर, बृजेश दुबे, शिवाकांत दुबे, अजय पांडेय आदि मौजूद रहे।

इन्होंने किया संबोधित

कलीमुल्लाह, विनय शुक्ला, आरती शुक्ला, रश्मि जायसवाल, ऋचा अग्रवाल, संजय कन्नौजिया, अनीता, विनीत भाष्कर, जनार्दन यादव, संदीप कुमार, करुणेश मौर्य, मस्तराम चौधरी आदि ने संबोधित किया।

210 नशीली दवा के साथ नेपाली युवक गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

कपिलवस्तु/सिद्धार्थनगर। क्षेत्र के सीमा अलीगढ़वा चाकर चौड़ा के ठकरापुर गांव के पास पुलिस एवं एसएसबी की गस्त के दौरान एक संदिग्ध युवक को पकड़ा। चेकिंग के दौरान उसके पास नशीली दवाएं मिली पुलिस ने थाने लाकर पूछताछ किया। कोतवाली कपिलवस्तु प्रभारी संतोष कुमार तिवारी के निर्देश पर बुधवार सायं एसएसबी के साथ पुलिस सीमा पर गस्त कर रही थी। जिसके दौरान ठकुरापुरा गांव के पास एक युवक भारत से नेपाल जाता दिखाई दिया।पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो वह नेपाल की तरफ भागने की कोशिश की एसएसबी पुलिस के जवानों ने पकड़ लिया।तलाशी के दौरान

उसके पास से 210 नशील स्पासमों टेबलेट बरामद हुआ। पूछताछ में अपना नाम अब्दुर्रहमान पुत्र अब्दुल शमद उम्र 30 वर्ष निवासी चाकर चौड़ा थाना कपिलवस्तु नेपाल बताया। युवक पर विधिक कार्यवाही करते हुए पुलिस ने न्यायलय भेज दिया। गिरफ्तारी टीम में उपेन्द्र प्रजापति,सुनील यादव,रामकमल, चौकी प्रभारी बजहा अखिलेश मिश्र, वा एसएसबी से एसआई संजय चौहान, विनोद कुमार, राजन मिश्रा शामिल रहे। जानकारी कोतवाली प्रभारी संतोष तिवारी ने दिया।

वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर भेजा जेल

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ पुलिस ने अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गुरुवार को पुलिस टीम ने थाना पर दर्ज मुकदमा संख्या 19/26 धारा 137(2), 87 बीएनएस में वांछित अभियुक्त दिलशाद पुत्र खलीलुल्लाह निवासी धनौरा मुस्तहकम को थानाक्षेत्र के जुगडिहवा मोड़ से गिरफ्तार किया। थाना प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह ने बताया कि जनपद में अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ

अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में पुलिस टीम ने सक्रियता दिखाते हुए वांछित अभियुक्त को पकड़ने में सफलता हासिल की। उन्होंने बताया कि अभियुक्त काफी समय से पुलिस को चकमा दे रहा था। पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई पूर्ण करते हुए अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। क्षेत्र में कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा। इस दौरान उपनिरीक्षक संतोष कुमार यादव, हेड कांस्टेबल प्रमोद कुमार यादव आदि मौजूद रहे।

विकास खन्ड खुनियांव के ग्राम पंचायत लटेरा में बजबजाती नालियां

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड खुनियांव अंर्तगत ग्राम पंचायत लटेरा में बजबजाती हुई नालीयो से सड़कों पर गन्दा पानी बहने से स्वच्छता की जमीनी सच्चाई खोल रही है।आम नागरिकों को उस रास्ते पर चलना दुश्वार हो गया है इससे जानकारी के अनुसार खुनियांव

विकास खण्ड अन्तर्गत ग्राम पंचायत लटेरा के बड़ी डीह में ग्राम पंचायत की पोल खुल रही है। देखा गया कि गन्डू से गोल से लेकर चौराहे तक नालियां जाम और बज बजा रही हैं। एक जगह सड़क पर गन्दा पानी बह रहा है। इसमें से चल कर लोग आते जाते हैं। नालियों की सफाई न होने से दुर्गंध निकलती है। जिससे लोगों को भारी असुविधा होती है। गांव के गिरजोधन, मनोहर तथा आस पास के लोगों ने बताया कि कभी कभार सफाई होती है। प्रधान जी जब हो हल्ला करते हैं तो सफाई कर्मचारी गांव में आकर नालियां साफ करता है। ब्लाक के अधिकारी इस पर ध्यान नहीं देते हैं। गांव के लोगों ने जाम नालियों को विभाग से साफ किए जाने की मांग किया है। इस सम्बंध में सहायक विकास अधिकारी पंचायत आशुतोष मिश्र ने बताया कि इस बाबत कोई शिकायत नहीं मिली है। जांच कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

भारतीय ज्ञान परंपरा आधारित सेमिनार संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, बांसी में भारतीय ज्ञान प्रणाली का महत्व एवं आधुनिक शिक्षा में समावेशन विषयक शैक्षिक सेमीनार उमेश कुमार त्रिपाठी उपशिक्षा निदेशक/ प्राचार्य डायट के संरक्षण व लालजी कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ प्रवक्ता के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। शैक्षिक सेमीनार में मुख्य वक्ता डॉ. हंसराज, सीनियर असिस्टेंट प्रोफेसर, शिक्षक–शिक्षा विभाग, रतन सेन डिग्री कॉलेज बांसी, सिद्धार्थनगर रहे। डॉ हंसराज ने भारतीय ज्ञान प्रणाली की मूल परंपरा और उसके महत्व पर विस्तृत व्याख्यान देते हुए बताया कि प्राचीन भारतीय शैक्षिक प्रणाली ज्ञानात्मक विकास के साथ साथ चरित्र निर्माण पर बल देती थी। हमारे प्राचीन विश्वविद्यालयों में विश्व के तमाम देशों के विद्यार्थी अध्ययन करने आते थे तथा अपना समग्र विकास करते थे। उन्होंने भारतीय ज्ञान प्रणाली के अंतर्गत चिकित्सा, योग दर्शन आदि पर प्रकाश डालने के साथ ही भारतीय ज्ञान परंपरा, बौद्ध दर्शन साहित्य और शिक्षा–संस्कार के मूल्यों पर विस्तृत चर्चा की। सेमिनार में परिषदीय शिक्षक हिमांशु द्विवेदी, दीपशिखा, बालगोविंद पटेल, अनिरुद्ध मौर्य व प्रशिक्षु दीप्शी अग्रहरि ने अपना लेख प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का समन्वयन डायट प्रवक्ता अनुराग कुमार श्रीवास्तव, संचालन बद्रीनाथ त्रिपाठी व धन्यवाद ज्ञापन प्रवक्ता मोहम्मद यूनुस ने किया। इस अवसर डायट प्रवक्ता श्रवण कुमार, मंजुला यादव, धर्मेंद्र कुमार, डॉ प्रतिभा सिंह, महेंद्र कुमार यादव, फुरकान अहमद, एस आर जी अंशुमान सिंह, समस्त ए आर पी व डीएलएड प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

एनएनएस के स्टूडेंट्स एक्सपेरिमेंटल लर्निंग प्रोग्राम का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय शोहरतगढ़ में

राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत गुरुवार को स्टूडेंट्स एक्सपेरिमेंटल लर्निंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को पुलिस प्रशासन, सुरक्षा व्यवस्था और तकनीकी कार्यप्रणाली की व्यावहारिक जानकारी देना था। छात्र–छात्राओं को सिद्धार्थनगर पुलिस लाइन, पुलिस ऑफिस, साइबर थाना, 112 कंट्रोल रूम, रेडियो कंट्रोल ऑफिस, रिजर्व पुलिस लाइन कार्यालय, पुलिस परेड ग्राउण्ड तथा महिला थाना का भ्रमण कराया गया। भ्रमण उपनिरीक्षक अरुण कुमार सिंह, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 ए0के0 सिंह, डॉ0 राम किशोर सिंह तथा कांस्टेबल मनीष त्रिपाठी के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। इसमें खुशी, चम्पा, मोनू, महेश सहित कई छात्रों ने भाग लिया। साथ ही बुध विद्या पीठ महाविद्यालय सिद्धार्थनगर के छात्र भी कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 नवीन सोनी के नेतृत्व में शामिल हुए। इस प्रशिक्षण से छात्रों ने पुलिस व्यवस्था, अपराध नियन्त्रण, साइबर सुरक्षा और महिला सुरक्षा से सम्बन्धित पहलुओं को निकट से समझा। कार्यक्रम ने छात्रों में अनुशासन, जिम्मेदारी और सामाजिक चेतना का विकास किया।

नाबालिग बहनों पर हमला, सिर में गंभीर चोट पीडिता के पिता ने लगाया आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। गोल्हौरा थाना क्षेत्र के एक गांव में बुधवार रात छेड़खानी का विरोध करने पर दो नाबालिग बहनों के साथ मारपीट का गंभीर मामला सामने आया है। घटना में बड़ी बहन के सिर में गंभीर चोट आई है। दोनों को परिजनों ने रात में ही संयुक्त चिकित्सालय बांसी में भर्ती कराया, जहां उनकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है। पीड़िता के पिता के अनुसार बुधवार रात करीब 8 बजे उनकी लगभग 11 वर्षीय बेटी घर के बरामदे में अकेली बैठी थी। उसी दौरान गांव का युवक विक्रम पुत्र रामनरायन वहां पहुंचा और उसका दुपट्टा खीचने के साथ छेड़खानी करने लगा। शोर सुनकर बड़ी बहन मौके पर पहुंची और विरोध किया। आरोप है कि इस पर युवक ने दोनों बहनों को लाठी–डंडों से पीटना शुरू कर दिया। शोरगुल सुनकर पड़ोसी पहुंचे और किसी तरह बीच–बचाव कराया। पीड़िता के पिता योगिन्दर का कहना है कि गुरुवार सुबह जब वह तहरीर देने थाने पहुंचे तो थानाध्यक्ष गोल्हौरा ने कहा कि छेड़कानी की तहरीर पर मुकदमा नही लिखूगा दूसरी फिर दूसरी वही वैठा कर लिखवाए मेरी तहरीर पर मुकदमा नही लिखा गया।

यह घटना केवल थूकने को लेकर दोनों पक्षो में विवाद हुआ था प्राप्त तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है मेडिकल के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बासी भेजा गया है तथा मामले की जांच की जा रही है।– थानाध्यक्ष गोल्हौरा रामदेव

अत्याधुनिक तकनीक से लैस न्यू हॉलैंड 3600 हेरिटेज एडिशन ट्रैक्टर लॉन्च

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिला मुख्यालय स्थित खजुरिया रोड पर गुरुवार को एन.के. ट्रैक्टर्स (न्यू हॉलैंड) के भव्य शोरूम पर नए ट्रैक्टर मॉडल 'New Holland 3600 Heritage Edition' की आधिकारिक लॉन्चिंग का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस दौरान भारी संख्या में प्रगतिशील किसान, व्यापारी और क्षेत्रीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सत्यप्रकाश राही मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सदर विधायक प्रतिनिधि सत्यप्रकाश राही ने नए मॉडल का अनावरण करते हुए कहा कि आधुनिक युग में खेती को लाभ का सौदा बनाने के लिए अत्याधुनिक मशीनों का होना अनिवार्य है। उन्होंने कहा, न्यू हॉलैंड के ये नए ट्रैक्टर अत्याधुनिक तकनीक से बने हैं, जिनसे कृषि कार्यों में न केवल सुगमता आएगी बल्कि समय की बचत भी होगी। यह निश्चित रूप से किसान हित में एक बड़ा कदम है। कार्यक्रम के संयोजक कपिल देव पाण्डेय एवं नौशाद अहमद ने आए हुए सभी अतिथियों, व्यापारियों और अन्नदाताओं का स्वागत व आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन नितेश पांडेय द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से युवा समाजसेवी पीयूष चौबे, टीम समर्पण अध्यक्ष शनि उपाध्याय, अधिवक्ता शशांक शेखर त्रिपाठी, समाजसेवी नितेश मणि त्रिपाठी, अभिनव मणि त्रिपाठी, आयुष मिश्रा, मनोज यादव, विकास पाण्डेय वत्स, प्रवीन श्रीवास्तव सहित तमाम किसान और स्थानीय व्यापारी मौजूद रहे।

विशिष्ट अतिथि जोगिया ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि श्रीष चौधरी ने किसानों को सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने के लिए नए ट्रैक्टरों की खरीद पर 20 से 50 प्रतिशत तक की सब्सिडी प्रदान कर रही है। उन्होंने अपील की कि किसान भाई कृषि विभाग से संपर्क कर इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। – श्रीष चौधरी

होली से पहले मिलावटखोरों पर नकेल, 874 किलो पपड़ी–नमकीन सीज, 15 किलो खोया नष्ट

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। आगामी होली के त्योहार को देखते हुए जनपद में मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री रोकने के लिए प्रशासन पूरी तरह सख्त हो गया है। आयुक्त (खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन) और जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर के निर्देश पर गुरुवार को सहायक आयुक्त (खाद्य)–II के नेतृत्व में पुलिस बल के साथ विशेष छापामार अभियान चलाया गया। इस कार्रवाई से मिलावटखोरों में हड़कंप मच गया। इटवा बाजार भारी मात्रा में खाद्य सामग्री सीज अभियान के दौरान खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने इटवा बाजार में सघन छापेमारी की। यहाँ से विभाग ने 01 खोया, 01 पपड़ी और 01 नमकीन का नमूना संग्रहित किया। मौके पर 700 किलो पपड़ी और 174 किलो नमकीन को असुरक्षित पाए जाने पर सीज कर दिया और इसे बाजार में बेचने से प्रतिबंधित कर दिया गया। गंदगी और अस्वच्छ परिस्थितियों में भंडारित 15 किलो खोया को मौके पर ही विनष्ट (नष्ट) करा दिया गया। बांसी फूड सेफ्टी ऑन व्हील से मौके पर जांच वहीं, तहसील बांसी के जिग्निहवा बाजार में फूड सेफ्टी ऑन व्ही (चलती–फिरती प्रयोगशाला) के जरिए 12 खाद्य पदार्थों की मौके पर ही शुद्धता जांची गई। इस दौरान टीम ने खाद्य कारोबारियों को सख्त चेतावनी दी कि वे मानकों का पूर्ण पालन करें और मिलावटी सामान की बिक्री कतई न करें। दोषियों पर होगी विधिक कार्यवाही सहायक आयुक्त (खाद्य)–II ने बताया कि संग्रहित नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत संबंधित विक्रेताओं के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्यवाही की जाएगी। इस विशेष अभियान दल में सहायक आयुक्त (खाद्य)–II के साथ मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी हीरा लाल, नीरज कुमार चौधरी एवं रंजन कुमार श्रीवास्तव तथा पुलिस बल के जवान शामिल रहे।

सम्पादकीय

रिश्तों के दीर्घकालिक निर्वहन का मूलमंत्र यही है कि हम जीवन–साथी की छोटी–मोटी कमियों को नजरअंदाज करके सामंजस्य के साथ जीवन की गाड़ी को आगे बढ़ाएं। असामान्य रिश्तों का अल्पकालिक सुख भले ही लुभाता हो, मगर उसकी कीमत परिवार को लंबे समय तक चुकानी पड़ती है। जिसका नकारात्मक प्रभाव बच्चों के मन–मस्तिष्क...

विवाहेत्तर संबंधों से दरकता विश्वास

हाल ही में सामने आए एक सर्वेक्षण में, यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि जीवन साथी की निगरानी के लिये बड़ी संख्या में डिटेक्टिव एजेंसियों की मदद ली जा रही है। तमाम विवाहेत्तर संबंधों की पड़ताल से बड़ी संख्या में शक सही निकल रहे हैं। हालांकि, इस सर्वे के दायरे और उसकी विश्वसनीयता की कसौटी के प्रश्न सामने हैं, लेकिन यह एक कड़वी हकीकत है कि हमारी पारिवारिक संस्था में अविश्वास की सेंध लग रही है। खाओ–पियो मौज करो की पश्चिमी संस्कृति के अंधानुकरण से वैवाहिक संस्था की शुचिता को आंच आई है। समाज में अलगाव, तलाक व हिंसक प्रतिशोध के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। रही सही कसर कथित सोशल मीडिया ने पूरी कर दी है, जिसने हमारे समाज में वर्जित माने जाने वाले भदेस विषयों को न्यू नॉर्मल बना दिया है। दरअसल, हाल के वर्षों में भारतीय समाज तेजी से संक्रमणकालीन दौर में जा पहुंचा है। कभी जिस रिश्ते को सिरे चढ़ाते वक्त जन्म–जन्मांतर साथ निभाने का वायदा किया जाता था, आज उसी जीवन साथी की निगरानी के लिये डिटेक्टिव एजेंसियों की मदद ली जा रही है। यह दुखद ही है कि जिन जीवन मूल्यों, संयम व शुचिता के रिश्तों के लिये भारत दुनिया में जाना जाता था, वहां आज यौन स्वच्छंदता व विवाहेत्तर संबंधों का दायरा बढ़ रहा है। एक समय था कि भारतीय संयुक्त परिवार की छांव में संयमित व मर्यादित व्यवहार करते थे। बड़ों का अनुशासन मर्यादा की रक्षा करता था। कामकाज का स्वरूप और स्थानीय रोजगार भी जीवन व्यवहार को संतुलित व संयमित करते थे। लेकिन हमारी कार्य संस्कृति में बदलाव व देश–विदेश में कामकाज के लिये बाहर जाने के बाद व्यक्ति स्वच्छंद व्यवहार करने लगा। यही वजह है कि विदेश में रहने वाले पति या पत्नी के व्यवहार की पड़ताल के लिये डिटेक्टिव एजेंसियों की मदद लेने के मामले लगातार उजागर हुए हैं। जिसके बाद मुकदमेबाजी, अलगाव व टकराव की खबरें सामने आने लगती हैं। दरअसल, विगत में भारतीय समाज में व्यक्ति के सार्वजनिक व्यवहार को संयुक्त परिवार व समाज संयमित करता था। लेकिन धीरे–धीरे आर्थिक आत्मनिर्भरता के बाद लोगों ने बड़े–बुजर्गों व समाज के हस्तक्षेप को अस्वीकार करना शुरू कर दिया। विगत में हमारी फिल्मों व टीवी निर्माताओं ने दर्शकों की भीड़ जुटाने के लिये हमेशा असामान्य वैवाहिक रिश्तों को अपनी कथावस्तु बनाया। इन असामान्य रिश्तों को इस ग्लैमर के साथ पेश किया जाता रहा है कि कालांतर उसका प्रभाव समाज पर नजर आने लगा। आज तो विदेशी धरती से संचालित इंटरनेट व सोशल मीडिया ने तो असामान्य रिश्तों की पराकाष्ठा दर्शा दी। विडंबना यह रही है कि मीडिया ने भी ऐसी नकारात्मक प्रवृत्तियों को इतनी तरजीह दी कि समाज के एक तबके में असामान्य रिश्तों को सामान्य माना जाने लगा। एक हकीकत यह भी है कि देश पर तमाम विदेशी आक्रांताओं ने भारतीय संस्कृति को इतनी क्षति नहीं पहुंचाई होगी, जितनी इंटरनेट व सोशल मीडिया के माध्यम से परोसी जा रही अपसंस्कृति ने विकृतियां पैदा की। नई पीढ़ी ही नहीं, उम्र दराज लोग भी कामदेव के मोहपाश में बंधे वर्जनाओं को लांघने लगे हैं। सोशल मीडिया पर बालाओं के मोहपाश में बंधकर गांठ का धन गंवाने वालों में बुजुर्गों की संख्या भी कम नहीं है। निस्संदेह, विवाह एक पवित्र बंधन है। जिसका निर्वहन संयम, सहजता, सहयोग, धैर्य और त्याग से ही होता है। लगता है कहीं न कहीं नई पीढ़ी लगातार धैर्य खोती जा रही है। रिश्तों के दीर्घकालिक निर्वहन का मूलमंत्र यही है कि हम जीवन–साथी की छोटी–मोटी कमियों को नजरअंदाज करके सामंजस्य के साथ जीवन की गाड़ी को आगे बढ़ाएं। असामान्य रिश्तों का अल्पकालिक सुख भले ही लुभाता हो, मगर उसकी कीमत परिवार को लंबे समय तक चुकानी पड़ती है। जिसका नकारात्मक प्रभाव बच्चों के मन–मस्तिष्क पर भी घातक होता है। यह भी एक हकीकत है कि जब परिवार के विवाद घर की दहलीज लांघते हैं, तो इससे लाभ उठाने वाले पेशेवरों की पूरी बिरादरी मुस्तैद खड़ी होती है। निश्चित ही रिश्तों में छल की प्रवृत्ति भारत में मूल्यों वाली विवाह संस्था के लिये एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। इसका मुकाबला संयम, सहयोग, त्याग व समर्पण जैसे जीवन मूल्यों से ही संभव है। इसका समाधान कोर्ट–कचहरियों में नहीं मिलेगा।

श्रीरामचरितमानस में भगवान विष्णु की वंदना (एकादशी विशेष)

श्रीरामचरितमानस में गोस्वामी तुलसीदास जी ने भगवान विष्णु (श्रीराम के सगुण रूप) की वंदना अत्यंत भावपूर्ण ढंग से की है। वैसे तो पूरा मानस ही उनकी महिमा से भरा है, किंतु बालकाण्ड के मंगलाचरण और स्तुतियों में भगवान विष्णु के स्वरूप का सबसे सुंदर वर्णन मिलता है।

यहाँ भगवान विष्णु (श्रीराम) की मुख्य वंदना और स्तुति के अंश को देखिए । मंगलाचरण (श्लोक) बालकाण्ड के आरंभ में तुलसीदास जी भगवान विष्णु के शांत और विराट स्वरूप की वंदना करते हैं। देखिए।

शान्तं शाश्वतमप्रमेयमनघं निर्वाणशान्तिप्रदं
ब्रह्माशम्भुफणीन्द्रसेव्यमनिशं वेदान्तवेद्यं विभुम्।
रामाख्यं जगदीश्वरं सुरगुरुं मायामनुष्यहरिं
वन्देऽहं करुणाकरं रघुवरं भूपालचूडामणिम्ध

अर्थात शांतिस्वरूप, सनातन, प्रमाणों से परे, पापकरहित, मोक्षरूपी शांति देने वाले, ब्रह्मा, शिव और शेषजी से निरंतर पूजित, वेदान्त के द्वारा जानने योग्य, सर्वव्यापक, देवताओं के गुरु, माया से मनुष्य रूप में दिखने वाले, करुणा की खान, रघुकुल शिरोमणि जगदीश्वर श्रीराम की मैं वंदना करता हूं।

कौशल्या जी द्वारा विष्णु रूप की स्तुति सुनिए। जब भगवान श्रीराम का जन्म हुआ, तब उन्होंने माता कौशल्या को अपने चतुर्भुज विष्णु रूप के दर्शन दिए। उस समय की स्तुति अद्भुत है।

भए प्रगट .पाला दीनदयाला कौसल्या हितकारी।
हर्षित महतारी मुनि मन हारी अद्भुत रूप बिचारीध
लोचन अभिरामा तनु घनस्यामा निज आयुध भुज चारी।
भूषन वनमाला नयन बिसाला सोभासिंधु खरारीध

अर्थात दीनदयालु और कौशल्या जी का हित करने वाले .पालु प्रभु प्रकट हुए। मुनियों के मन को हरने वाले उनके अद्भुत रूप का विचार करके माता हर्षित हो गईं। उनके नेत्र अत्यंत सुंदर थे, शरीर नवीन मेघ के समान श्याम था और अपनी चारों भुजाओं में वे अपने (शंख, चक्र, गदा, पद्म) शस्त्र धारण किए हुए थे। तुलसीदास जी ने भगवान विष्णु के गुणों को इन शब्दों में पिरोया है। देखिए।विभुरू सर्वव्यापक। अज यानी अजन्मा (जो जन्म–मृत्यु से परे हैं)। व्यापक ब्रह्म अर्थात जो कण–कण में व्याप्त हैं। भगत बछल यानी भक्तों पर अत्यंत प्रेम रखने वाले। श्रीरामचरितमानस में भगवान विष्णु की वंदना केवल एक देवता के रूप में नहीं, बल्कि श्सच्चिदानंदश के रूप में की गई है, जो अपनी माया से भक्तों के दुख हरने के लिए मानव शरीर धारण करते हैं।

लेखक विनय कांत मिश्र/दैनिक बुद्ध का संदेश

आर्थिक योगदान व पर्यावरण क्षति का हो मूल्यांकन

क्या हम ऐसे आंकड़े सार्वजनिक कर सकते हैं जो यह बताएं कि प्रति व्यक्ति पर्यटक से राज्य को कितनी आय हुई ? अक्सर देखा गया है कि जिस राज्य में पर्यटकों की संख्या सबसे अधिक होती है, जरूरी नहीं कि पर्यटन से होने वाली आय में भी वह राज्य अव्वल हो। केरल जैसे राज्य ने इस मामले में एक अलग लकीर खींची है, जहां संख्या के बजाय 'वैल्यू' पर ध्यान दिया जाता है। वहां तीर्थयात्री भी आते हैं, लेकिन राज्य की ब्रांडिग...

आगन्तुकों की बाढ़ किसी राज्य की सफलता का पैमाना नहीं, बल्कि एक चेतावनी होना चाहिए। यह चेतावनी है संसाधनों के दोहन, अनियोजित शहरीकरण की और उस नीतिगत अंधेपन की है जो श्रद्धा को निवेश समझ बैठा है। उत्तराखंड सरकार के अनुसार गत वर्ष राज्य में पर्यटकों का आगमन 6 करोड़ पार कर गया, जो कुल आबादी से छह गुना अधिक है। 'इंडिया टूरिज्म कम्पोडियम 2025' के आंकड़ों पर गौर करें तो यह आंकड़ा कोई मायावी नहीं हैं, बल्कि हकीकत है। संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन की परिभाषा के आधार पर ही ये आंकड़े तैयार किये गये हैं। उन्हीं आंकड़ों के अनुसार गत वर्ष उत्तर प्रदेश में 64.6 करोड़ और तमिलनाडु में 30 करोड़ से अधिक पर्यटक पधारे थे। ये भारी–भरकम आंकड़े सरकारी फाइलों में सफलता के प्रमाणपत्र की तरह पेश किए जाते हैं, लेकिन इनकी गहराई में उतरते ही एक गंभीर विरोधाभास भी सामने आता है। अगर किसी प्रदेश में सचमुच आनंद की अनुभूति के लिए इतने पर्यटक आ जायें तो उस प्रदेश का बेड़ापार ही हो जाये! क्या विशाल भीड़ वास्तव में वह 'पर्यटक' है, जिससे अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है, या यह केवल एक सांख्यिकीय भ्रम है? 'संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन' के मानक 'पर्यटक' की परिभाषा को इतना व्यापक बना देते हैं कि इसमें श्रद्धा और सैर–सपाटे के बीच का अंतर समाप्त हो जाता है। यदि कोई व्यक्ति अपने सामान्य निवास स्थान से बाहर 24 घंटे से अधिक रुकता है, तो उसे पर्यटक माना जाएगा, चाहे उद्देश्य धार्मिक हो या मनोरंजन। इन्हीं मानकों की ओट में भारतीय राज्य कांवड़ियों और साधुओं को भी 'पर्यटक' की श्रेणी में दर्ज कर लेते हैं। यहीं से उस धारणा को चुनौती देने की आवश्यकता है जो संख्यात्मक बहुलता को आर्थिक समृद्धि का पर्याय मान लेती है। वास्तव में पर्यटक और तीर्थयात्री के उद्देश्य और खर्च करने की क्षमता में मौलिक अंतर होता है। पर्यटक होटलों में रुकता है और स्थानीय अर्थव्यवस्था में 'लिक्विड कैश' का संचार करता है।

इसके विपरीत, पारंपरिक तीर्थयात्री अक्सर अपना भोजन साथ लेकर चलते हैं और उनकी यात्रा का उद्देश्य मानसिक शांति होती है, न कि आर्थिक उपभोग। 'प्लेजर टूर' या आनंदमयी यात्रा ही वास्तव में पर्यटन की वह मूल अवधारणा है जो इसे 'तीर्थाटन' से अलग करती है। पर्यटन का मुख्य आधार 'अवकाश' (लीजर) है, जिसे गिल्बर्ट सिगॉक्स ने एक ऐसी मानवीय गतिविधि माना है, जिसमें व्यक्ति स्वेच्छा से अपने मनोरंजन, ज्ञानवर्धन या स्वास्थ्य लाभ के लिए सामान्य परिवेश का त्याग करता है। तीर्थाटन जहां धार्मिक आस्था, कर्तव्य और मोक्ष की भावना से प्रेरित होता है, वहीं 'प्लेजर टूर' का प्राथमिक उद्देश्य मानसिक शांति, भौतिक सुख और व्यक्तिगत खुशी प्राप्त करना होता है। दरअसल, तीर्थाटन में जहां 'श्रद्धा' सर्वोपरि है, वहीं पर्यटन या 'प्लेजर टूर' जब हम इन दोनों श्रेणियों को एक ही तराजू में तौलते हैं, तो नीतिगत स्तर पर भारी चूक होने की संभावना बढ़ जाती है। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्यों में जहां तीर्थाटन का बोलबाला है, वहां की अवसंरचना पर पड़ने वाला दबाव इन करोड़ों नवागन्तुकों की भीड़ से तय होता है, लेकिन उस दबाव को झेलने के लिए मिलने वाला राजस्व उस अनुपात में नहीं होता। उदाहरण के तौर पर, कांवड़ यात्रा के दौरान लाखों की भीड़ के लिए प्रशासन को सफाई, सुरक्षा और स्वास्थ्य की जो व्यवस्था करनी पड़ती है, उसका वित्तीय बोझ करदाताओं की जेब पर पड़ता है, जबकि उस भीड़ से होने वाला प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ न्यूनतम होता है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या हम केवल संख्या गिनने के लिए अपनी पारिस्थितिकी और संसाधनों को दांव पर लगा रहे हैं? तर्कपूर्ण ढंग से देखें तो पर्यटकों और तीर्थयात्रियों के लिए आवश्यक अवसंरचना भी पूरी तरह भिन्न होती है। एक हाई–वैल्यू पर्यटक को बेहतर कनेक्टिविटी, स्वच्छता, निजी स्थान और उच्चस्तरीय आतिथ्य की आवश्यकता होती है। यदि किसी गंतव्य पर तीर्थयात्रियों की अनियंत्रित भीड़ होगी, तो वह स्थान वास्तविक पर्यटकों के लिए अपनी अपील खो देगा। इसे 'क्राउडिंग आउट इफेक्ट' कहा जा सकता है, जहां कम खर्च करने वाली भीड़ अधिक खर्च करने वाले पर्यटकों को विस्थापित कर देती है। संवेदनशील हिमालयी राज्यों के लिए यह स्थिति और भी भयावह है। यहां की 'वहन क्षमता' सीमित है। करोड़ों की संख्या कागजों पर अच्छी लग सकती है, लेकिन क्या हमारे पहाड़, हमारी नदियां और हमारे शहर इतने लोगों का कचरा और उनकी जरूरतों का बोझ उठाने में सक्षम हैं? हमें राजस्व के आंकड़ों का गहन विश्लेषण करना होगा।

इस्राइल से दोस्ती और गहरी करने का उपक्रम

मोदी ऐसे समय तेल अवीव पहुंचे हैं, जब वहां घरेलू राजनीतिक अंतर्विरोध चरम पर है। पीएम मोदी द्वारा इस्राइली संसद 'नेसेट' को सम्बोधित करना था। संसद के स्पीकर आमिर ओहाना ने सुप्रीम कोर्ट के प्रेसिडेंट यित्जाक अमित को बुलाने से मना कर दिया, इससे भड़के विपक्ष के नेता यायर लैपिड ने नेसेट सत्र के बॉयकॉट का ऐलान कर दिया। 2016 से नेतन्याहू के खिलाफ रिश्वतखोरी...

सवाल है, भारत को हेक्सागन समझौते में शामिल होना चाहिए, या नहीं? निर्गुट आंदोलन के फाउंडिंग मेंबर होने के नाते, नई दिल्ली ने हमेशा से कट्टर गुट की पॉलिटिक्स से परहेज किया है। नवंबर, 2025 में, भारत के कॉमर्स मिनिस्टर पीयूष गोयल ने इस्राइल का दौरा किया था और भारत– इस्राइल फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के लिए स्ट्रक्चर्ड बातचीत शुरू करने के लिए टर्म्स ऑफ रेफरेंस पर साइन किए। वाणिज्य मंत्री के इस दौरे के दौरान 250 से ज्यादा बी–टू–बी मीटिंग हुईं, साथ ही दोनों तरफ के बिजनेस और सरकारी नेताओं को एक साथ लाने वाले फोरम भी हुए। लेकिन ऐसा कुछ तय नहीं हुआ था कि भारत 'हेक्सागन अलायंस' का हिस्सा बनेगा। पीएम मोदी का दो दिवसीय इस्राइल दौरा 26 फरवरी, 2026 को समाप्त हो जायेगा। पूरी दुनिया की नजर व्यापार से अधिक हेक्सागन समझौते पर है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने जानकारी दी थी, कि मोदी और उनके समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू भारत– इस्राइल स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप में हुई प्रगति की समीक्षा करेंगे और सुरक्षा, साइंस–टेक्नोलॉजी, इनोवेशन, एग्रीकल्चर, वॉटर मैनेजमेंट, ट्रेड, इकॉनमी और लोगों के बीच उभयपक्षीय संबंधों पर अगले कदमों पर चर्चा करेंगे। स्टॉकहोम स्थित 'सीपरी' ने 2025 में रिपोर्ट दी थी, कि इस्राइल 2020–24 में दुनिया का आठवां सबसे बड़ा हथियार एक्सपोर्टर था, और भारत इस्राइली हथियारों का सबसे बड़ा अकेला इंपोर्टर था, जो उस समय में इस्राइली एक्सपोर्ट का 34 प्रतिशत था। यह 34 प्रतिशत अब और कितना प्लस होता है, वह नए समझौते से स्पष्ट हो जायेगा।

नेतन्याहू ने कहा, 'मेरे सामने जो विजन है, उसके हिसाब से हम एक पूरा सिस्टम बनाएंगे। हेक्सागन ऑफ अलायंस का मकसद ऐसे देशों की एक धुरी बनाना है, जो मुस्लिम कट्टरपंथी गुटों के खिलाफ एक जैसी राय रखते हों। एक नहीं दोनों कट्टरपंथी गुट। पहला, ईरान की सरपरस्ती वाली शिया धुरी, जिस पर हमने बहुत जोरदार हमला किया है। और दूसरी, उभरती हुई कट्टरपंथी सुन्नी धुरी।' हालांकि, किसी भी सरकार ने इस प्लान, या इसके सांप्रदायिक ढांचे का खुले तौर पर समर्थन नहीं किया है। नेतन्याहू की ख्वाहिश है कि इस समूह में भारत, इस्राइल, ग्रीस, साइप्रस और कुछ उदारवादी अरब व अफ्रीकी देश शामिल हों। यह दीगर है कि इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनके विदेश मंत्री के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने की तैयारी में है। नेतन्याहू ने जिन तीन देशों का नाम लिया, उनमें से ग्रीस और साइप्रस इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट के सदस्य हैं। 'आईसीसी' में जो कुछ पक रहा है, उसे काउंटर करने के वास्ते जो कुछ तैयारी नेतन्याहू की है, वो समझ में आने लगा है। किंग्स कॉलेज लंदन में सिक्योरिटी स्टडीज के एसोसिएट प्रोफेसर एंड्रियास क्रेग कमेंट करते हैं, कि इस्राइली प्रधानमंत्री शायद अपने आइडिया को बढ़ा–चढ़ाकर बता रहे हैं, लेकिन जरूरी नहीं कि 'हेक्सागन अलायंस' नाटो स्टाइल के समझौते जैसा हो। नेतन्याहू 'शिया एक्सिस', जिसे 'एक्सिस ऑफ रेजिस्टेंस' भी कहा जाता है, के खिलाफ अपनी 'जीत' को दोहराने की कोशिश कर रहे हैं। यह मध्य–पूर्व में इस्राइली और पश्चिमी असर का विरोध करने वाले ईरान केंद्रित नेटवर्क है। लेबनान में हिज्बुल्ला को ईरान सपोर्ट करता है, जिसे लंबे समय से इस इलाके का सबसे ताकतवर नॉन–स्टेट एक्टर माना जाता है। 2024 में इस्राइल द्वारा ज्यादातर लीडरशिप को खत्म करने से पहले हिज्बुल्ला तेहरान के साथ जुड़ा हुआ था। इराक में तेहरान कई शिया हथियारबंद समूहों के साथ रिश्ते बनाए हुए है, जिसमें कताइब हिज्बुल्ला जैसे ग्रुप शामिल हैं। हाल ही में, यमन में, हूथी, एक जैदी शिया आंदोलन, खास तौर पर उभरा है, जिसे तेहरान ने अधोसंरचनात्मक सहयोग, ट्रेनिंग और हथियार दिए हैं। इसके बरश्अक्स, सुन्नी अतिवादी समूह है। इस्राइल ने 2025 में इस इलाके के कम से कम 6 सुन्नी बहुल देशों पर हमला किया, जिसमें फलस्तीन, लेबनान, सीरिया और यमन शामिल हैं। गाजा से जुड़े ट्यूनीशिया और ग्रीस के इलाके में भी हमले किए। इस्राइल ने मिस्र, तुर्की, सऊदी अरब, इराक और जॉर्डन को भी धमकी दी है। इस इलाके के कई सुन्नी–बहुल देशों ने इस्राइल के इलाके में लड़ाई के जवाब में कूटनीतिक तरीके से कोऑर्डिनेट किया है। इस्राइल ने 26 दिसंबर, 2025 को सोमालीलैंड को स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता दी है।

उस फैसले ने अरब लीग, खाड़ी सहयोग परिषद, अफ्रीकी यूनियन और इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) देशों के बाद अब चीन को भी इस्राइल के खिलाफ खड़ा कर दिया है। सोमालीलैंड, लाल सागर और बाब अल–मंडेब के पास होने की वजह से 'हॉर्न ऑफ अफ्रीका' का सामरिक इलाका है, जिसने 1991 में गृहयुद्ध के दौरान सोमालिया से अलग होकर खुद को स्वतंत्र देश घोषित कर लिया था। सवाल है, भारत को हेक्सागन समझौते में शामिल होना चाहिए, या नहीं? निर्गुट आंदोलन के फाउंडिंग मेंबर होने के नाते, नई दिल्ली ने हमेशा से कट्टर गुट की पॉलिटिक्स से परहेज किया है। भारत एक ही समय में चीन, रूस और अमेरिका के साथ जुड़ा रहता है। भारत के खाड़ी देशों में भी बड़े अच्छे रिश्ते हैं। नई दिल्ली के ईरान के साथ करीबी रिश्ते हैं, वह इन रिश्तों को 'सिविलाइजेशनल' बताता है। साथ ही भारत, सऊदी अरब के साथ स्ट्रेटेजिक कोऑपरेशन भी बढ़ा रहा है। अभी यह पता नहीं है कि कौन से अरब और अफ्रीकी देश नेतन्याहू के सोचे हुए 'हेक्सागन ऑफ अलायंस' का हिस्सा बनेंगे। इस बीच इस्राइली प्रेसिडेंट आइजैक हर्जोग मंगलवार को इथियोपिया पहुंचे। मकसद हेक्सागन ऑफ अलायंस का हिस्सा बनने के वास्ते इथियोपिया को सहमत करना है। इस्राइली राजनीतिक विश्लेषक ओरी गोल्डबर्ग ने कहा, 'सच तो यह है कि इस्राइल के पास हर तरह के टैक्टिकल, टेक्निकल पार्टनरशिप और अलायंस हो सकते हैं, लेकिन कोई भी इस्राइल को 10 फुट के डंडे से भी नहीं छूना चाहता।

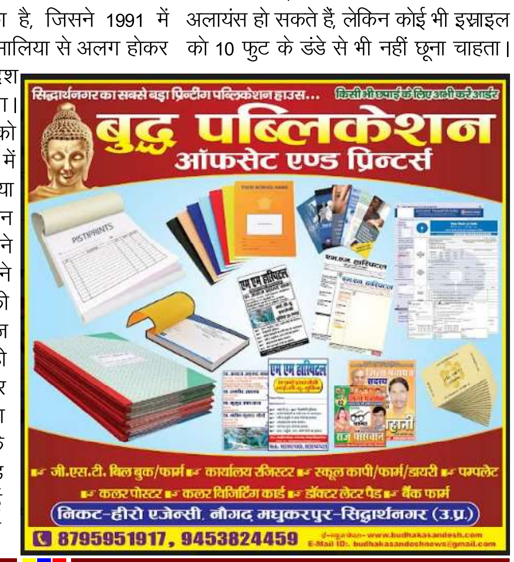

मार्क कार्नी ने कैसे दफन किया जस्टिन ट्रूडो का भूत, भारत के साथ रीसेट हुए रिश्ते

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के भारत दौरे में एक खास बात छूट गई है। कार्नी पंजाब नहीं जा रहे हैं, जो उनके पहले के प्रधानमंत्री के रिवाज से अलग है, जिसे ज्यादातर राज्य से आए बड़े भारतीय समुदाय को ध्यान में रखकर देखा गया था। घरेलू राजनीति को किनारे रखकर, कार्नी ने इशारा किया है कि उनका भारत दौरा आर्थिक रिश्तों को मजबूत करने और जस्टिन ट्रूडो के समय खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर बिगड़े दो–तरफा रिश्तों को फिर से बनाने के बारे में ज्यादा था।

पिछले साल पद संभालने के बाद से, कार्नी ने ट्रूडो के समय भारत के साथ कनाडा के खराब रिश्तों के भूत को दफनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। यह बात कि 10 महीनों में कार्नी की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ यह तीसरी मीटिंग होगी –– उन देशों के लिए एक बहुत बड़ा पल जो एक साल पहले ही डिप्लोमैट्स को निकाल रहे थे और एक–दूसरे पर तीखे हमले कर रहे थे– यह दिखाता है कि हालात कैसे बदल गए हैं।

डिप्लोमैटिक रिश्तों में नरमी एक दिन में नहीं आई। इसे बनने में महीनों लग गए। हमारे साथ बने रहें क्योंकि हम आपको बताते हैं कि भारत और कनाडा के लिए सितारे कैसे एक साथ आए।

कनाडा भारत के लिए परेशान करने वाली चीजों को कैसे दूर कर रहा है?

सबसे नई बात बुधवार को आई, जब कार्नी मुंबई के लिए निकलने वाले थे। कनाडा सरकार ने साफ किया कि भारत अब अपनी जमीन पर होने वाले हिंसक अपराधों से जुड़ा नहीं है– इस बदलाव से ओटावा में सिख एक्टिविस्ट नाराज हैं।

CBC की रिपोर्ट के मुताबिक, एक सीनियर सरकारी अधिकारी ने मीडिया से कहा, "अगर हमें लगता कि भारत कनाडा की डेमोक्रेटिक प्रक्रिया में सक्रिय रूप से दखल दे रहा है, तो शायद हम यह यात्रा नहीं करते।"

यह कनाडा के रुख में एक अहम बदलाव था। अक्टूबर 2024 में, ट्रूडो सरकार ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ी कनाडा में हिंसक आपराधिक गतिविधियों और भारतीय अधिकारियों के बीच संबंधों का आरोप लगाया था। भले ही भारत ने इन दावों से इनकार किया, लेकिन कनाडा ने भारत के हाई कमिश्नर और दूसरे डिप्लोमैट्स को पर्सोना नॉन ग्राटा घोषित करके तनाव बढ़ा दिया। नई दिल्ली ने भी वैसा ही जवाब दिया।

एक हफ्ते पहले, कार्नी सरकार ने चुपचाप 26/11 मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर राणा की नागरिकता रद्द कर दी। लश्कर–ए–तैयबा का आतंकवादी राणा, पिछले साल **US** से एक्सट्रैडाइट होने के बाद अभी भारत में ट्रायल का सामना कर रहा है।

CTV की रिपोर्ट के मुताबिक, हालांकि कनाडा ने अपने बदले हुए रुख के पीछे के कारण साफ तौर पर नहीं बताए हैं, लेकिन अधिकारियों ने भारत के साथ सिस्टेमैटिक एंगेजमेंट पर जोर दिया है, जिसमें मिनिस्टीरियल लेवल भी शामिल है। कनाडा–भारत के रिश्ते कैसे टूटे?' फिर भी, कनाडा के स्ट्रेटेजिक कदमों ने ट्रूडो के समय में आई दिक्कतों को दूर करने में काफी मदद की है। रिश्तों में गिरावट सितंबर 2023 में शुरू हुई जब ट्रूडो ने भारत से लौटने के कुछ दिनों बाद जून में एक गुरुद्वारे के बाहर हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में मोदी सरकार के शामिल होने का आरोप लगाया। भारत ने तुरंत इन आरोपों को मोटिवेटेड बताते हुए खारिज कर दिया।

इसके बाद एक बड़ा डिप्लोमैटिक स्टैंडऑफ हुआ। दोनों पक्षों ने एक–दूसरे के डिप्लोमैट्स को निकाल दिया। भारत ने बराबरी की मांग की, जिससे कनाडा को देश में अपने मिशन से 41 डिप्लोमैट और उनके परिवारों को वापस बुलाना पड़ा। भारत ने वीजा सर्विस भी सस्पेंड कर दीं, जिससे रिश्ते अब तक के सबसे निचले स्तर पर आ गए। इस डिप्लोमैटिक झगड़े की जड़ में लंबे समय से चला आ रहा खालिस्तानी मुद्दा था, जिसमें पंजाब से एक अलग राज्य बनाने की मांग शामिल है। दशकों से, खालिस्तानी मुद्दे को लेकर कनाडा में पॉलिटिकल सोच चुनावी गणित से बनती रही है। मार्च 2025 में ऑफिस संभालने वाले कार्नी ने उस रास्ते से हटने का इरादा दिखाया है।

जियोपॉलिकल एक्सपर्ट डॉ. ब्रह्मा चेलानी ने ट्वीट किया, "कार्नी का भारत दौरा इस बात का इशारा है कि ओटावा और नई दिल्ली दोनों ने यह तय कर लिया है कि लगातार दूरी की कीमत बहुत ज्यादा है। ट्रूडो के समय की कड़वाहट को एक तरफ रखकर आपसी हितों को गंभीरता से पहचाना जा रहा है।" मार्क कार्नी ने भारत के साथ रिश्ते कैसे सुधारे?

रिश्ते तब सुधरने लगे जब कार्नी ने पिछले साल जून में कनानास्किस में जी7 समिट में पीएम मोदी को पर्सनली इनवाइट किया। दोनों ने साइडलाइन पर एक अलग मीटिंग भी की। एक बड़ी कामयाबी मिली। देश हाई कमिश्नरों को फिर से शुरू करने और कॉम्प्रिहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट पर बातचीत फिर से शुरू करने पर सहमत हुए।

पांच महीने बाद, पीएम मोदी और कार्नी फिर मिले। इस बार जोहान्सबर्ग में जी 20 समिट के साइडलाइन पर। नेताओं ने 2030 तक बाइलेटरल ट्रेड में +50 बिलियन का बड़ा टारगेट रखा। तब से, देशों के विदेश मंत्रियों ने एक–दूसरे का दौरा किया है। नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजरों ने मीटिंग की हैं, और ट्रेड मिनिस्टर बातचीत के लिए मिले हैं। यह रीसेट एकतरफा नहीं रहा है। डोनाल्ड ट्रंप की वजह से ट्रेड में जो गड़बड़ हुई है, उसने भारत और कनाडा दोनों को अपनी स्ट्रैटेजी और ग्लोबल पार्टनर्स के बारे में फिर से सोचने पर मजबूर कर दिया है। ट्रंप फैक्टरः कार्नी के लिए, ट्रंप का यह झटका झेलना बहुत मुश्किल रहा है। ट्रंप का बार–बार कनाडा को "का "51वां राज्य" बताना, साथ ही टैरिफ की धमकियों और आर्थिक दबाव ने कार्नी सरकार को परेशान कर दिया है।

हालांकि, होशियार कनाडाई पीएम ने इसे हल्के में नहीं लिया। दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में एक तीखी हेडलाइन बटोरने वाली स्पीच में, कार्नी ने खुद को एक पोस्टर बॉय बताया जो वर्ल्ड ऑर्डर में टूट के बीच एक नए मिडिल–पावर रेजिस्टेंस" को लीड कर रहा है। यह ट्रंप पर एक छिपा हुआ हमला था, जिन्होंने एक दिन बाद कार्नी को याद दिलाया कि "कनाडा " की वजह से जीता है"। तब से, कनाडाई पीएम ने धीरे–धीरे देश की **US** पर लगभग पूरी निर्भरता कम करने की कोशिश की है। " कनाडा का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है, जो सभी एक्सपोर्ट का 75**%** हिस्सा है। यह कनाडा के 98: एनर्जी एक्सपोर्ट को भी सोखता है। इस साल की शुरुआत में, कार्नी ने चीन का ऐतिहासिक दौरा किया, जो आठ साल में किसी कनाडाई पीएम का पहला दौरा था। ट्रंप की नाराजगी के बावजूद, कार्नी ने चीनी इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर टैरिफ हटाकर यूएस ट्रेड पॉलिसी से नाता तोड़ लिया। इससे ट्रंप का गुस्सा भड़क गया, जिन्होंने कनाडा को उसके एक्सपोर्ट पर 100**%** टैरिफ लगाने की धमकी दी। इससे कार्नी को चीन के साथ फ्री–ट्रेड डील से पीछे हटना पड़ा।

असल में, ट्रंप की टैरिफ और ट्रेड पॉलिसी से आई अनिश्चितता ने भारत और कनाडा दोनों को एक प्रैक्टिकल कॉमन ग्राउंड फिर से खोजने में मदद की है। ट्रंप के जाल को भांपते हुए, भारत पहले ही अपने ट्रेड पार्टनर्स को डायवर्सिफाई करने के लिए आगे बढ़ चुका है, **UK**, न्यूजीलैंड, ओमान और यूरोपियन यूनियन के साथ डील पक्की कर चुका है। हालांकि **US** के साथ एक ट्रेड डील फ्रेमवर्क की भी घोषणा की गई है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट द्वारा ट्रंप के टैरिफ को रद्द करने के बाद इसे नई मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। अब, कार्नी डील्स से भरा बैग लेकर भारत आए हैं, जिनमें यूरेनियम सप्लाई से लेकर **LNG** और जरूरी मिनरल्स तक शामिल होने की उम्मीद है। यह एक प्रैक्टिकल रीसेट है, जिसमें कार्नी पूरी तरह से आर्थिक हितों के आधार पर संबंधों को मजबूत करने और खालिस्तानी मुद्दे और निज्जर की हत्या को लेकर बिगड़े रिश्ते को मजबूत करने पर ध्यान दे रहे हैं।

हरमनप्रीत की कप्तानी में दांव पर वनडे श्रृंखला, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हर हाल में जीत जरूरी

मौजूदा विश्व चैंपियन भारत को पहले मैच में बुरी तरह हारने के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैच की वनडे श्रृंखला को अगर जीवंत रखना है तो उसे शुक्रवार को यहां होने वाले दूसरे महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में बल्लेबाजी में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। टी20 श्रृंखला 2–1 से जीतने के बाद भारतीय टीम वनडे श्रृंखला की अच्छी शुरुआत नहीं कर पाई और ब्रिस्बेन में खेले गए पहले मैच में छह विकेट से हार गई।

भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कभी भी द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला नहीं जीती है। इस प्रारूप में इन दोनों देशों के बीच खेली गई श्रृंखलाओं में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा रहा है। दोनों टीमों के बीच अभी तक 11 द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला खेली गई हैं जिनमें सभी में ऑस्ट्रेलिया ने जीत हासिल की। इनमें 2024 में 3–0 से और सितंबर 2025 में 2–1 से जीत भी शामिल है। लेकिन भारत 2025 में महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया पर मिली पांच विकेट की जीत से प्रेरणा लेने की कोशिश करेगा।

वर्तमान श्रृंखला के पहले मैच में भारतीय बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया की चुनौती का सामना करने में नाकाम रहे और पूरी टीम केवल 214 रन पर आउट हो गई। उप–कप्तान स्मृति मंधाना (58), कप्तान हरमनप्रीत कौर (53) और कासवी गौतम (43) को छोड़कर कोई भी अन्य भारतीय बल्लेबाज बड़ी पारियां नहीं खेल सका। वे ऑस्ट्रेलिया की अनुशासित गेंदबाजी के सामने संघर्ष करते हुए नजर आए। प्रतिका रावल पारी की शुरुआत करते हुए खाता भी नहीं खोल पाई। शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स और दीप्ति शर्मा भी उम्मीदों पर खरी नहीं उतरीं। भारत को शुक्रवार को इन चारों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। बड़े शॉट लगाने में माहिर विकेटकीपर ऋचा घोष को भी संघर्ष करना पड़ा और वह केवल 23 रन ही बना सकी। टीम को उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

गेंदबाजों में बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने अपने नौ ओवर में 41 रन देकर दो विकेट लिए लेकिन उन्हें बीच के ओवरों में दीप्ति शर्मा और कासवी जैसी गेंदबाजों से मदद की जरूरत है। लेकिन शुरुआती ओवरों में विरोधी टीम को नुकसान पहुंचाने की जिम्मेदारी तेज गेंदबाज रेणुका सिंह और क्रांति गौड़ पर होगी, जो पहले मैच में असफल रहीं। भारतीय टीम प्रबंधन ऑलराउंडर अमनजोत कौर और स्नेह राणा को टीम में शामिल करने पर भी विचार कर सकता है। भारत की सीनियर ऑलराउंडर दीप्ति को उम्मीद है कि टीम दूसरे वनडे में वापसी करके श्रृंखला बराबर करने में सफल रहेगी। उन्होंने कहा, ''हमने एक टीम के रूप में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन परिणाम हमारे अनुकूल नहीं रहा। हम अगले मैच में मजबूत वापसी करेंगे। हम इसके बारे में ज्यादा नहीं सोच रहे हैं और अपने मजबूत पक्षों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।''

दूसरी तरफ ऑस्ट्रेलिया की निगाह दूसरे मैच में ही श्रृंखला अपना नाम करके कप्तान एलिसा हीली को शानदार विदाई देने पर होगी। हीली अपनी आखिरी अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में खेल रही हैं। उन्होंने पिछले मैच में अर्धशतक लगाया था। हीली और फोबे लिचफील्ड ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए पहले विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी की और वे इसी लय को जारी रखना चाहेंगी।

ऑस्ट्रेलिया के लिए लक्ष्य का पीछा करना बेहद आसान रहा। बेथ मूनी (76) और एनाबेल सदरलैंड (48 नाबाद) ने चौथे विकेट के लिए 85 रन की साझेदारी करके टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया था। ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी भी शानदार रही है, जिसमें मेगन शट, एशले गार्डनर, अलाना किंग, ताहिला मैकग्रा और सोफी मोलिनक्स सभी ने किफायती गेंदबाजी करते हुए विकेट भी हासिल किए। इन दोनों टीम के बीच वनडे श्रृंखला के बाद पर्थ में एक दिन रात्रि टेस्ट मैच खेला जाएगा। इन तीनों प्रारूप के प्रदर्शन को मिलाकर श्रृंखला की ट्रॉफी का फैसला अंकों के आधार पर किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक टी20 और 50 ओवर की जीत के लिए दो अंक और टेस्ट में जीत के लिए चार अंक होंगे।

टीम इस प्रकार हैंः भारतः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप–कप्तान), शेफाली वर्मा, रेणुका ठाकुर, श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स, काशवी गौतम, हरलीन देयोल, प्रतिका रावल। ऑस्ट्रेलियाः एलिसा हीली (कप्तान), सोफी मोलिनी (उप–कप्तान), डार्सी ब्राउन, निकोला कैरी, एशले गार्डनर, किम गार्थ, अलाना किंग, फोबे लिट्चफील्ड, बेथ मूनी, ताहलिया मैकग्रा, एलिस पेरी, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम। मैच सुबह 9.20 बजे शुरू होगा।

जनपदीय एण्टी रोमियो स्क्वायड टीमों द्वारा महिलाओं/बालिकाओं को किया गया जागरुक

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोण्डा जनपद में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित मिशन शक्ति अभियान 5.0 के अंतर्गत महिला एवं बालिका सुरक्षा,सम्मान

एवं आत्मनिर्भरता को सु.ढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक गोण्डा विनीत जायसवाल के निर्देशन में जनपद के राजपत्रित अधिकारियों एवं एण्टी रोमियो स्क्वायड टीमों द्वारा आज विभिन्न थाना क्षेत्रों में व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम संचालित किए गए।इस दौरान गांवों,कस्बों एवं सार्वजनिक स्थलों पर चौपाल लगाकर स्थानीय महिलाओं एवं बालिकाओं से सीधा संवाद स्थापित किया गया।कार्यक्रम के दौरान टीमों द्वारा महिलाओं/बालिकाओं को महिला सशक्तिकरण, साइबर अपराध से बचाव, आत्मरक्षा के उपाय तथा कानून द्वारा प्रदत्त अधिकारों की विस्तृत जानकारी दी गई।मिशन शक्ति की महिला पुलिसकर्मियों द्वारा उपस्थित महिलाओं एवं बालिकाओं से उनकी व्यक्तिगत एवं सामाजिक समस्याओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई तथा उनके आवागमन के दौरान होने वाली संभावित परेशानियों पर चर्चा की गई।इस अवसर पर महिलाओं/बालिकाओं से फीडबैक फॉर्म भरवाए गए, जिनके माध्यम से संवेदनशील एवं हॉटस्पॉट क्षेत्रों को चिन्हित किया गया।साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्त पाए गए मनचलों को एण्टी रोमियो स्क्वायड टीम द्वारा रेड कार्ड जारी कर सख्त चेतावनी दी गई, जिससे भविष्य में ऐसी गतिविधियों की पुनरावृत्ति न हो।

दक्षिण अफ्रीका का मिनी आईपीएल बनी एसए 20 लीग, क्रिकेट में सफलता के साथ टूरिज्म भी बूम पर

दक्षिण अफ्रीका के मौजूदा आईसीसी टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन का श्रेय काफी हद तक घरेलू टी20 लीग एसए20 को भी जाता है जिसने देश में क्रिकेट के पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के अलावा रोजगार के अवसर पैदा किए और पर्यटन को भी बढ़ावा दिया है। जनवरी 2023 में शुरू हुई इस लीग के चार सत्र के दौरान ही दक्षिण अफ्रीकी टीम ने क्रिकेट के मैदान पर कई शानदार नतीजे हासिल किए जिसमें आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल में पहुंचना और 2025 में ऑस्ट्रेलिया को हराकर आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब जीतना भी शामिल है। दक्षिण अफ्रीका की टीम अब तक अजेय : भारत और श्रीलंका में चल रहे मौजूदा आईसीसी टी20 विश्व कप में भी दक्षिण अफ्रीका की टीम अब तक अजेय है। इस लीग ने देश के क्रिकेट ढांचे को ही मजबूत नहीं किया है बल्कि देश में रोजगार के नए अवसर पैदा करने के अलावा पर्यटन को भी बढ़ावा दिया है। इस लीग की सभी छह टीम

एमआई केपटाउन, पार्ल रॉयल्स, जोबर्ग सुपरकिंग्स, डरबन सुपर जाइंट्स, प्रिटोरिया कैपिटल्स और सनराइजर्स ईस्टर्न केप के मालिक भारतीय हैं और ऐसे में लीग की नजरें स्थानीय पर्यटकों के अलावा भारतीय पर्यटकों पर भी टिकी हैं। अपने प्राकृतिक सौंदर्य के लिए मशहूर केपटाउन और वेस्टर्न केप की पर्यटन, उद्योग और निवेश को बढ़ावा देने वाली आधिकारिक एजेंसी वेसग्रो ने भी एसए20 की लोकप्रियता को भुनाकर पर्यटकों को आकर्षित करने की योजना बनाई है। वेसग्रो की कार्यकारी मुख्य पर्यटन अधिकारी जूलिया लोव ने अपनी योजनाओं को साझा करते हुए बताया, ''हम अभी डेस्टिनेशन मार्केटिंग अभियान में व्यस्त हैं। हम अलग–अलग चीजों के फिल्मांकन के व्यस्त हैं और इसमें क्रिकेट भी एक है।'' उन्होंने कहा, ''हम अपनी मार्केटिंग एजेंसी के साथ मिलकर भारत में प्रचार शुरू करने के लिए काम कर रहे हैं। यह बहुत खास है। हम दक्षिण अफ्रीका पर्यटन के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।'' भारत के लोग पर्यटन स्थल के लिए दक्षिण अफ्रीका में रुचि दिखा रहेः जूलिया ने बताया कि भारत के लोग पर्यटन स्थल के रूप में दक्षिण अफ्रीका में काफी रुचि दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा, ''भारतीयों की ओर से बहुत अधिक दिलचस्पी है। हमारे खेल और संस्कृति में समानता है। समय का भी अधिक अंतर नहीं है। वे सिर्फ तीन या चार घंटे आगे है इसलिए जेट लैग की भी समस्या नहीं है।'' वेस्ट कोस्ट जिला म्यूनिसिपैलिटी में मीडिया एवं पर्यटन मार्केटिंग प्रमुख हेनरिक रॉबर्टसन का भी मानना है कि पर्यटन के मामले में एसए20 में अपार संभावनाएं हैं। रॉबर्टसन ने कहा, ''एसए20 की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए हमने इसे भी अपनी पर्यटन योजनाओं में शामिल किया है। सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों के साथ यह लीग भी पर्यटकों को लुभाने के लिए हमारी योजनाओं का अहम हिस्सा है।

हॉन्गकॉन्ग टी20 सीरीज के लिए कुवैत ने किया टीम का ऐलान, कैप्टेन अहमद अल–अजीज करेंगे नेतृत्व

क्रिकेट की दुनिया में अब सिर्फ बड़े नाम ही नहीं, बल्कि उभरते हुए सितारे भी अपनी चमक बिखेर रहे हैं। साल 2026 की शुरुआत हॉन्गकॉन्ग में होने वाली रोमांचक टी20 सीरीज से हो रही है, और इसके लिए कुवैत की नेशनल क्रिकेट टीम ने अपनी कमर कस ली है। कुवैत ने अपनी टीम का ऐलान कर दिया है, जिसमें अनुभव का तड़का भी है और युवाओं का जोश भी। कुवैत के लिए यह दौरा सिर्फ एक सीरीज नहीं, बल्कि इंटरनेशनल क्रिकेट के नक्शे पर अपनी धाक जमाने का एक सुनहरा मौका है। आइए देखते हैं कि इस बार कुवैत की टोली में कौन–कौन से "मैच विनर" शामिल हैं। कुवैत के सिलेक्टर्स ने इस बार काफी सोच–समझकर ऐसी टीम चुनी है जो किसी भी परिस्थिति में गियर बदल सके। यहाँ उन 5 खिलाड़ियों का जिक्र जरूरी है जो गेम पलट

सकते हैं कैप्टन अहमद अल–अजीज : टीम की कमान अहमद के हाथों में है। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और चतुर कप्तानी के लिए मशहूर अहमद दबाव में निखरना जानते हैं। टीम को उनसे एक कप्तानी पारी की उम्मीद रहेगी। फैसल अल–सालेम : विकेट के पीछे मुस्तैद और बल्ले से विस्फोटक! फैसल टी20 फॉर्मेट के माहिर खिलाड़ी हैं। मुश्किल वक्त में रन चुराना और मैच को फिनिश करना उनकी खासियत है।

तारिक अल–खाल्दी : हर टीम को एक ऐसे ऑलराउंडर की तलाश होती है जो गेंद और बल्ले दोनों से कमाल कर सके। तारिक टीम को वो बैलेंस देते हैं जिसकी टी20 में सख्त जरूरत होती है।

जैद अल–मंसूरी : रफ्तार के सौदागर! जैद अपनी स्विंग और पेस से विपक्षी बल्लेबाजों के स्टंप्स बिखेरने के लिए तैयार हैं। डोमेस्टिक क्रिकेट में आग उगलने के बाद अब वे इंटरनेशनल लेवल पर जलवा दिखाने को बेताब हैं। ओमर अल–फहदः स्पिन का जादूगर। अगर हॉन्गकॉन्ग की पिच ने थोड़ा भी साथ दिया, तो ओमर अपनी फिरकी में बड़े–बड़े बल्लेबाजों को फंसा सकते हैं। उनका कंट्रोल और वेरिएशन टीम के लिए ट्रंप कार्ड साबित हो सकता है। इस दौरे का क्या है महत्व?: कुवैत के लिए हॉन्गकॉन्ग जाना सिर्फ मैच खेलना नहीं है। यह एक प्लेटफॉर्म है जहाँ वे दुनिया को दिखा सकते हैं कि उनकी क्रिकेट किस लेवल पर पहुँच चुकी है। अंतरराष्ट्रीय टीमों के खिलाफ खेलकर जो अनुभव मिलता है, वह खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को सातवें आसमान पर ले जाता है। टीम पिछले कई हफ्तों से कड़े ट्रेनिंग सेशन से गुजर रही है। कोच और सपोर्ट स्टाफ का पूरा जोर फिटनेस, नई रणनीतियों और टीम बॉन्डिंग पर है। टी20 जैसे तेज फॉर्मेट में "एडैप्टेबिलिटी" (तालमेल बिठाना) ही जीत की कुंजी है। क्रिकेट फैंस और कुवैत के समर्थक उम्मीद लगाए बैठे हैं कि यह दौरा कुवैती क्रिकेट के इतिहास में एक नया अध्याय लिखेगा। अगर खिलाड़ी अपनी योजना के मुताबिक खेल पाए, तो हॉन्गकॉन्ग में कुवैत का झंडा बुलंद होना तय है।

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों का जोरदार प्रदर्शन, बीएसए कार्यालय पर धरना

दैनिक बुद्ध का संदेश

महराजगंज। टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के बैनर तले जनपद महराजगंज के मान्यता प्राप्त शिक्षक संगठनों ने एकजुट होकर आंदोलन के तीसरे चरण में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) कार्यालय पर धरना–प्रदर्शन किया। टीईटी अनिवार्यता के विरोध में आयोजित इस धरने में जनपद के विभिन्न ब्लॉकों से बड़ी संख्या में शिक्षक शामिल हुए।धरने की अध्यक्षता कर रहे उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष केशव मणि त्रिपाठी ने शिक्षकों को संगठन के वर्षों पुराने संघर्ष की याद दिलाते हुए कहा कि अधिकारों की रक्षा के लिए एकता ही सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने टीईटी अनिवार्यता के मुद्दे पर सभी शिक्षकों से एकजुट रहने का आह्वान किया। जिलामंत्री सत्येन्द्र कुमार मिश्र ने अपने संबोधन में कहा कि यह लड़ाई अन्याय के विरुद्ध है और शिक्षक समाज अपने अधिकारों को संघर्ष के बल पर प्राप्त करके रहेगा। उन्होंने कहा कि जब तक मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। धरने को पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष टी.एन. गोपाल एवं महामंत्री उपेन्द्र कुमार पाण्डेय ने भी संबोधित किया और शिक्षकों से संयमित लेकिन प्रभावी आंदोलन की अपील की। धरना समाप्ति के पश्चात सत्येन्द्र कुमार मिश्र ने उपस्थित शिक्षकों के समक्ष ज्ञापन का वाचन किया, जिस पर सभी ने सहमति जताई। इसके बाद शिक्षक बीएसए कार्यालय से पैदल मार्च करते हुए जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन अपर जिलाधिकारी को सौंपा। इस दौरान बैजनाथ सिंह, अखिलेश पाठक, मनौवर अली, धीरज कुमार शाही, रजत शुक्ल, नवीन शुक्ल, पंकज सिंह, अजय पाण्डेय, जितेन्द्र पाण्डेय, अरुणेंद्र पाठक, सुरेन्द्र गुप्ता, सुधीर रंजन, मनोज वर्मा सहित जनपद के बारहों ब्लॉकों के अध्यक्ष एवं मंत्री तथा हजारों शिक्षक उपस्थित रहे।

जिले की तीन तहसीलों में ग्राम चौपाल का सफल आयोजन, चकबंदी समस्याओं का मौके पर निस्तारण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश के चकबंदी आयुक्त डॉ. हृषिकेश भास्कर यशोद के कुशल नेतृत्व एवं जिलाधिकारी (जिला उप संचालक चकबंदी) के मार्गदर्शन में गुरुवार को जनपद की तीन तहसीलों में ग्राम चौपाल का भव्य आयोजन किया गया। इन चौपालों के माध्यम से किसानों की समस्याओं को सुना गया और मौके पर ही निस्तारण की कार्यवाही सुनिश्चित की गई। तहसील नौगढ़ के ग्राम धौरीकुईया में चकबंदी अधिकारी राजेन्द्र प्रसाद यादव की अध्यक्षता में चौपाल आयोजित हुई। यहाँ किसानों के बीच जोत चकबंदी आकार पत्र–5 का वितरण किया गया। ग्रामीणों ने वरासत की कार्यवाही पूर्ण करने की मांग रखी, जिस पर श्री यादव ने त्वरित संज्ञान लेते हुए सहायक चकबंदी अधिकारी नौगढ़ को तत्काल निस्तारण हेतु निर्देशित किया। तहसील बांसी के ग्राम पैडीखुर्द में चकबंदी अधिकारी नीरज कुमार सिंह ने कमान संभाली। यहाँ आकार पत्र–45 के वितरण के पश्चात काश्तकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए विभिन्न वादों का निस्तारण किया गया। श्री सिंह ने किसानों द्वारा चकबंदी प्रक्रिया को लेकर पूछे गए तकनीकी सवालों के जवाब देकर उनकी शंकाओं को दूर किया। तहसील इटवा के ग्राम चोरथरी में चकबंदी अधिकारी प्रदीप कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में चौपाल संपन्न हुई। इस दौरान चकबंदी के विभिन्न बिंदुओं पर ग्रामीणों को विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही वरासत से संबंधित दो महत्वपूर्ण वादों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। तीनों तहसीलों में आयोजित इन चौपालों में ग्राम प्रधानों, विभागीय अधिकारियों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही। समय–समय पर विभाग द्वारा चलाई जा रही इस मुहिम और त्वरित कार्यप्रणाली को लेकर ग्रामीणों ने हर्ष व्यक्त किया और चकबंदी विभाग के प्रति आभार प्रकट

आर्थिक रूप से कमजोर दुकानदारों के हित में सपा मजदूर सभा ने उठाई आवाज

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। समाजवादी मजदूर सभा के जिलाध्यक्ष विशाल कुमार श्रीवास्तव ने नगर पालिका परिषद बलरामपुर की दुकान आवंटन प्रक्रिया में आर्थिक रूप से कमजोर एवं छोटे दुकानदारों को पुनर्स्थापित करने और प्रतिभूति राशि को पूर्णतः माफ करने के मुद्दे को लेकर जिलाधिकारी विपिन जैन के माध्यम से प्रशासन को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में उन्होंने नगर क्षेत्र में आजीविका चलाने वाले दुकानदारों की कठिनाइयों की ओर ध्यान आकृष्ट कराते हुए उनके हित में ठोस कदम उठाने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि कई छोटे दुकानदार आर्थिक तंगी के कारण अपनी दुकानों का संचालन ठीक से नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे दुकानदारों को राहत देने के लिए उनकी आय, परिस्थिति एवं जरूरत के आधार पर उचित सहायता प्रदान की जाए। साथ ही जिन दुकानदारों की दुकानों का पुनर्वास या स्थान परिवर्तन प्रस्तावित है, उनके लिए वैकल्पिक स्थान की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि उनकी रोजी–रोटी प्रभावित न हो। उन्होंने मांग की कि किसी भी प्रकार की कार्रवाई से पहले संबंधित दुकानदारों को नोटिस देकर संवाद स्थापित किया जाए और उनकी समस्याओं का मानवीय दृष्टिकोण से समाधान निकाला जाए। उन्होंने प्रशासन से अपील की कि विकास कार्यों के साथ–साथ गरीब एवं मेहनतकश व्यापारियों के हितों की रक्षा भी सुनिश्चित की जाए, जिससे किसी परिवार की आजीविका पर संकट न आए।

चीनी मिल प्रबंधन पर उत्पीड़न का आरोप, मशीन ऑपरेटर ने दी आत्मदाह की चेतावनी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जनपद की चीनी मिल में कार्यरत एक स्थाई कर्मचारी ने मिल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए प्रशासन और मीडिया से न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित कर्मचारी का आरोप है कि बीमारी के बाद ड्यूटी पर लौटने पर उसे जबरन एक अज्ञात शपथ पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया गया और इनकार करने पर नौकरी से निकालने की धमकी दी गई। न्याय न मिलने पर पीड़ित ने एक सप्ताह के भीतर आत्मदाह करने की चेतावनी दी है। मिली जानकारी के अनुसार, सुनील कुमार पाठक पुत्र घनश्याम पाठक, जो पिछले 23 वर्षों से

बलरामपुर चीनी मिल में मशीन ऑपरेटर के पद पर कार्यरत हैं, ने बताया कि बीती 2 फरवरी को उनकी तबीयत खराब हो गई थी। नियमानुसार छुट्टी लेकर इलाज कराने के बाद जब वे 15 दिन बाद स्वस्थ होकर फिटनेस सर्टिफिकेट के साथ ड्यूटी पर लौटे, तो उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया। जबरन हस्ताक्षर कराने का प्रयास पीड़ित का आरोप है कि मिल प्रबंधक डी. के. सिंह ने उन्हें एक शपथ पत्र थमाया और बिना पढ़े उस पर हस्ताक्षर करने का दबाव बनाया। जब सुनील ने कागज पढ़ने की मांग की, तो प्रबंधक ने उन्हें नौकरी से निकालने और मिल परिसर में न घुसने देने की धमकी दी। इस दुर्व्यवहार और मानसिक आघात के कारण पीड़ित वहीं बेहोश हो गया, जिसके बाद उसे एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया गया। सुनील कुमार पाठक ने अपने पत्र में प्रबंधन के अन्य अधिकारियों, के.के. बाजपेयी आदि पर भी श्रमिकों के शोषण का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि श्रमिकों को बिना किसी पूर्व सूचना या नोटिस के नौकरी से निकाला जा रहा है। श्रमिक संगठनों को सुनियोजित तरीके से खत्म किया जा रहा है ताकि आवाज उठाने वाला कोई न बचे। नियमों और स्थाई आदेशों की अनदेखी कर तानाशाही रवैया अपनाया जा रहा है।प्रशासन से न्याय की मांग पीड़ित ने जिला प्रशासन और संबंधित अधिकारियों से मामले का तत्काल संज्ञान लेने, दोषियों के विरुद्ध दंडात्मक विधिक कार्रवाई करने और मिल प्रबंधन द्वारा किए जा रहे उत्पीड़न को रोकने की मांग की है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस गंभीर चेतावनी और आरोपों पर क्या कदम उठाता है।

> मैं अपने परिवार का इकलौता कमाने वाला सदस्य हूँ। यदि मुझे बिना किसी कारण नौकरी से निकाला गया, तो मेरे सामने भुखमरी की स्थिति आ जाएगी। अगर एक सप्ताह के भीतर इस पर कार्रवाई नहीं हुई, तो मैं मिल के मुख्य द्वार पर आत्मदाह करने के लिए मजबूर होऊंगा। –
> **सुनील कुमार पाठक (पीड़ित कर्मचारी)**

होली पर्व को लेकर भिनगा कस्बे में पुलिस का सघन फ्लैग मार्च, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। आगामी होली पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से थाना कोतवाली भिनगा क्षेत्र अंतर्गत कस्बा भिनगा में पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के नेतृत्व में भारी पुलिस बल के साथ सघन फ्लैग मार्च एवं पैदल गश्त किया गया। फ्लैग मार्च के दौरान कस्बे के प्रमुख बाजारों, मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों, संवेदनशील स्थानों तथा प्रमुख चौराहों पर सुरक्षा व्यवस्था का स्थलीय निरीक्षण किया गया। पुलिस अधीक्षक ने आमजन, व्यापारियों एवं स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित करते हुए आपसी भाईचारा बनाए रखने तथा शांति पूर्वक होली पर्व मनाने की अपील की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि त्योहार की आड़ में हुड़दंग, अफवाह फैलाने या कानून व्यवस्था बिगाड़ने का प्रयास करने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को लगातार क्षेत्र में भ्रमणशील रहने, संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखने तथा सोशल मीडिया पर फैलने वाली भ्रामक सूचनाओं पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। इस दौरान क्षेत्राधिकारी भिनगा सतीश कुमार शर्मा, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली भिनगा राज प्रकाश सिंह, प्रभारी यातायात सहित भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। जनपद पुलिस द्वारा होली पर्व को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु निरंतर गश्त, चेकिंग एवं निगरानी अभियान चलाया जा रहा है, जिससे नागरिक सुरक्षित एवं निर्भय वातावरण में त्योहार मना सकें।

राष्ट्र निर्माण में सज्जन शक्ति की भूमिका पर जैन गोष्ठी आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में गुरुवार को जिला पंचायत सभागार में प्रमुख जन गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़े गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। गोष्ठी में मुख्य वक्ता वीरेंद्र सिंह, समग्र ग्राम विकास संगठन मंत्री (उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड) ने "राष्ट्र निर्माण में सज्जन शक्ति की भूमिका" विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति या संस्था देश और समाज के हित में कार्य कर रही है, उसके साथ सज्जन शक्ति को खड़ा होना चाहिए। राष्ट्र निर्माण केवल सरकारों का दायित्व नहीं है, बल्कि समाज की सक्रिय भागीदारी से ही सकारात्मक परिवर्तन संभव है। उन्होंने कहा कि केवल कानून बना देने से सामाजिक वि. तियाँ समाप्त नहीं होतीं, जब तक समाज स्वयं उनके निवारण के लिए आगे नहीं आता। जैन समाज से आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्रहित के कार्यों में उनकी भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आज अमेरिका जैसा देश भारत को टैरिफ की धमकी दे रहा है। इसका समाधान स्वदेशी की भावना को अपनाकर आत्मनिर्भर भारत की दिशा में आगे बढ़ना है। भारत को भारतीयता के आधार पर विकसित करना हमारा लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जैसे हम अपनी माता को किसी भी परिस्थिति में नहीं बदलते और उससे प्रेम करते हैं, वैसे ही हमें अपने देश, संस्ःति, सभ्यता और देश में निर्मित वस्तुओं के प्रति मातृवत प्रेम रखना चाहिए। तभी भारत विश्वगुरु के रूप में प्रतिष्ठित हो सकेगा। सोशल मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों को लेकर पूछे गए प्रश्न पर उन्होंने कहा कि ये माध्यम स्वयं में खतरा नहीं हैं, बल्कि उनका उपयोग किस प्रकार किया जाता है, यह हम पर निर्भर करता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. श्रद्धा सिंह ने की। इस अवसर पर विभाग संघ चालक सौम्य अग्रवाल, नगर संघ चालक देव प्रकाश, विभाग कार्यवाह अमित, जिला प्रचारक जितेंद्र, जिला कार्यवाह किरीट मणि, डॉ. शरद सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि श्याम मनोहर तिवारी, नगर पालिका अध्यक्ष डॉ धीरेंद्र प्रताप सिंह 'धीरू', सर्वेश सिंह, पम्मी पांडे, संजय यादव सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

किराए के मकान में बिजली चोरी का मामला, मकान मालिक पर कार्रवाई की चेतावनी

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। श्रावस्ती के इकौना नगर पंचायत क्षेत्र के मोहल्ला शास्त्री नगर में बिजली चोरी का मामला सामने आया है। घटना नगर पंचायत कार्यालय के पीछे की बताई जा रही है, जहां रुखसाना पत्नी अतीक ने अपना मकान किराए पर दे रखा था। प्राप्त जानकारी के अनुसार रुखसाना ने अपना मकान मोहल्ला आजाद नगर निवासी रईस पुत्र गुल को नाई की दुकान चलाने के लिए किराए पर दिया था। आरोप है कि किराएदार ने विद्युत कर्मियों की मिलीभगत से अवैध तरीके से बिजली की लाइन जुड़वा ली। बताया जा रहा है कि कुछ दिन बाद किराएदार चुपचाप दुकान खाली कर फरार हो गया। इसके बाद संबंधित विद्युत कर्मचारी अधिकारियों के साथ मकान मालिक के घर पहुंचे और अवैध कनेक्शन दिखाते हुए उनके विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराने की चेतावनी दी। मकान मालकिन रुखसाना का कहना है कि अवैध विद्युत कनेक्शन से उनका कोई लेना–देना नहीं है। उन्होंने बताया कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी और न ही उन्होंने किसी प्रकार की बिजली चोरी में सहभागिता की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि किराएदार द्वारा अवैध कार्य किया गया है तो उसकी जिम्मेदारी उसी की तय की जानी चाहिए। मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। अब देखना यह होगा कि जांच के बाद विद्युत विभाग किसके विरुद्ध कार्रवाई करता है और सच्चाई क्या निकलकर सामने आती है।

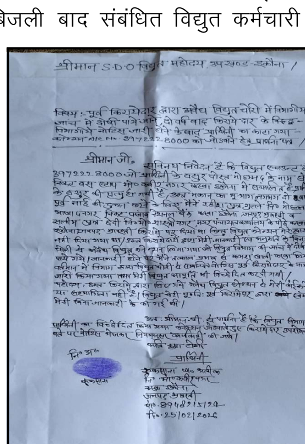

श्रीमान S.D.O विद्युत महोदय उपखण्ड इकौना।

होली पर्व को लेकर भिनगा कस्बे में पुलिस का सघन लैग मार्च, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। आगामी होली पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से थाना कोतवाली भिनगा क्षेत्र अंतर्गत कस्बा भिनगा में पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के नेतृत्व में भारी पुलिस बल के साथ सघन लैग मार्च एवं पैदल गश्त किया गया।लैग मार्च के दौरान कस्बे के प्रमुख बाजारों, मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों, संवेदनशील स्थानों तथा प्रमुख चौराहों पर सुरक्षा व्यवस्था का स्थलीय निरीक्षण किया गया। पुलिस अधीक्षक ने आमजन, व्यापारियों एवं स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित करते हुए आपसी भाईचारा बनाए रखने तथा शांति पूर्वक होली पर्व मनाने की अपील की।उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि त्योहार की आड़ में हुड़दंग, अफवाह फैलाने या कानून व्यवस्था बिगाड़ने का प्रयास करने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को लगातार क्षेत्र में भ्रमणशील रहने, संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखने तथा सोशल मीडिया पर फैलने वाली भ्रामक सूचनाओं पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। इस दौरान क्षेत्राधिकारी भिनगा सतीश कुमार शर्मा, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली भिनगा राज प्रकाश सिंह, प्रभारी यातायात सहित भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा।जनपद पुलिस द्वारा होली पर्व को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु निरंतर गश्त, चेकिंग एवं निगरानी अभियान चलाया जा रहा है, जिससे नागरिक सुरक्षित एवं निर्भय वातावरण में त्योहार मना सकें।

अबीर गुलाल के साथ निकलेगी सतरंगी निशान शोभायात्रा,पहली बार बाबा श्याम को चढ़ेगा सूरजगढ़ का निशान

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में एक दिवसीय कार्यक्रम को लेकर गोन्डा के श्रीश्याम मंदिर में बैठक आयोजित हुई।बैठक श्रीश्याम मंदिर कमेटी के अध्यक्ष सुरेश भावसिंहका के नेतृत्व में किया गया।जिसमें निशान शोभायात्रा और भजनों के कार्यक्रम को लेकर चर्चा एवं विचार व्यक्त किया गया।जिस पर श्याम प्रेमियों ने अपनी–अपने जिम्मेदारी संभाल लिया है।शुक्रवार को सुबह 8 बजे भव्य निशान शोभा यात्रा धूमधाम से रानी बाजार स्थित श्री राम जानकी मारवाड़ी धर्मशाला से निकाली जाएगी जो अग्रसेन चौराहे से होते हुए साहबगंज नूरामल मंदिर होते हुए बड़गांव पुलिस चौकी से वापस घूमकर श्री श्याम मंदिर में बाबा खाटूश्याम जी के चरणों में निशान अर्पित कर आर्शीवाद प्राप्त करेंगे।उसके बाद मंदिर प्रांगण में ही सायंकाल 6 बजे से फागुनी धमाल के साथ संकीर्तन शुरू होगा। जिसमें सुप्रसिद्ध भजन गायिका पायल अग्रवाल, वाराणसी से और भजन गायक शिवम – पारस दिल्ली से भजनों की हाजिरी लगाने बाबा खाटू श्याम के दरबार में हाजिरी लगाएंगे।ये जानकारी श्रीश्याम मंदिर ट्रस्ट के प्रबंधक गोविंद जालूका ने दी।मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेश भावसिंहका ने बताया कि गोन्डा में पहली बार राजस्थान प्रांत में स्थित सूरजगढ से निशान बनकर तैयार होकर आया है वह भी निशान शोभायात्रा में शामिल होगा। तैयारी पूरी कर ली गई है। बैठक में पुनीत बंसल,अजय अग्रवाल,आशीष भावसिंहका ,सुशील पचेरिया, गोविन्द जालूका,अरिहंत जैन,उत्कर्ष सिंघल,विमलेश सिंघल, नितेश मित्तल,संदीप भावसिंहका ,अनूप बंसल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

राज्यपाल ने कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ की बैठक'

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की, बैठक के दौरान माननीय राज्यपाल जी ने सरकार द्वारा संचालित योजनाओं में स्वास्थ्य विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की, इस दौरान मा0 राज्यपाल महोदया जी ने कहा कि जनपद के दुरूह क्षेत्रों ग्रामीणांचलों में जाकर महिलाओं को इस बात के लिए प्रोत्साहित किया जाये कि होम डिलीवरी न करायें, होम डिलीवरी कराने से जच्चा, बच्चा के जान का खतरा बना रहता है। ग्रामीण अनपढ़ व्यक्तियों को इसके लिए विशेष रूप से जागरूक किया जाये, मेडिकल कालेज में पढ़ रहे छात्राओं द्वारा भी गांव में जाकर लोगों को इसके लिए जागरूक किया जाये कि, गांव में डिलीवरी न करायें और महिलाओं का समय पर टीकाकरण कराया जाये, इस दौरान मा0 राज्यपाल महोदया जी ने जनपद में टी0बी0 मुक्त ग्रामों की संख्या के सम्बन्ध में भी जानकारी ली, मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा बताया गया कि जनपद सोनभद्र में 250 ग्राम पंचायतों को अब तक टी0बी0 मुक्त बनाया गया है, शेष अन्य ग्रामों को भी टी0बी0 मुक्त बनाने हेतु कार्य किया जा रहा है। इस दौरान राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री न देश को टी0बी0 मुक्त बनाने के लिए संकल्प लिया है, उस संकल्प को पूरा करने हेतु टी0बी0 रोगियों को बेहतर देख–भाल के साथ ही पोषाहार नियमित रूप से उपलब्ध कराया जाये, जिससे कि टी0बी0 से ग्रसित मरीज जल्द से जल्द स्वस्थ्य हो सकें। इसके पश्चात राज्यपाल ने बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा जनपद में किये जा रहे कार्यों के सम्बन्ध में जानकारी ली, उन्होंने कहा कि बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्रों पर गरम भोजन नियमित रूप से उपलब्ध कराये जाये और आंगनबाड़ी केन्द्रों पर मूलभूत सुविधा उपलब्ध रहें, 3 साल से अधिक उम्र के बच्चों का पूरे

जनपद में सर्वे कराया जाये और उन बच्चों का प्रवेश आंगनबाड़ी केन्द्रों में कराया जाये और छः वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों का सर्वे कराकर उनका प्रवेश प्राथमिक विद्यालयों में कराया जाये, इस कार्य में जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सम्बन्धित अधिकारियों के माध्यम से कार्य सुनिश्चित कराया जाये, जिससे कोई भी बच्चा आंगनबाड़ी केन्द्र व प्राथमिक विद्यालयों में जाने से वंचित न रहें।

इस दौरान राज्यपाल ने नमामि गंगे द्वारा हर घर को नल से जल योजना की भी समीक्षा की, समीक्षा के दौरान राज्यपाल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल हेतु की जा रही जल आपूर्ति की नियमित रूप से टेस्टिंग करायी जाये, जिससे कि पेयजल हेतु की जा रही जल आपूर्ति में दूषित पानी न पहुंचने पायें। दूषित पानी से अनेक प्रकार की बीमारी होने की संभावना बनी रहती है, इण्डस्ट्रियल क्षेत्र में भी इण्डस्ट्रिज से निकलने वाले पानी की भी निगरानी करायी जाये कि वह वहां पर जाता, क्योंकि इण्डस्ट्रिज से निकलने वाले पानी से भी बीमारी की संभावना बनी रहती है, मानव जीवन के लिए शुद्ध पेयजल सबसे आवश्यक है। इस दौरान मा0 राज्यपाल महोदया जी ने कहा कि स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को भी राशन की दुकानें आवंटित की जाये, ग्रीन आर्मी की महिलाओं को भी स्वयं सहायता समूह से जोड़ा जाये और अच्छे कार्य करने पर उन्हें भी राशन की दुकान आवंटन किया जाये, इस दौरान राज्यपाल ने आंकाक्षी जनपद सोनभद्र के विकास के सम्बन्ध में भी जानकारी ली, जिसके सम्बन्ध में जिलाधिकारी द्वारा बताया गया कि जनपद सोनभद्र देश के आकांक्षी 112 जनपदों में से विकास के मामले मे तीसरे स्थान पर है। इस दौरान राज्यपाल ने कहा कि सरकार द्वारा संचालित योजनाओं हेतु जो भी बजट प्राप्त होते हैं, उसका समय से उपभोग किया जाये और अतिरिक्त बजट की मांग समय से की जाये, जिससे कि पात्र व्यक्तियों को समय से सरकार की योजनाओं से लाभान्वित हो सकें।

इस दौरान जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने कहा कि आज की समीक्षा बैठक में राज्यपाल महोदया द्वारा जो भी दिशा–निर्देश दिये गये हैं, उसका सभी अधिकारी द्वारा सम्यक निर्वहन किया जायेगा। किशोरियों के टीकाकरण से सम्बन्धित जनपद को टी0बी0 मुक्त बनाने के क्षेत्र में विशेष कार्य किये जायेंगे। इस दौरान उन्होंने कहा कि जनपद में पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु टूरिस्ट गाईड का प्रशिक्षण दिया गया है, साथ ही जनजातीय समाज की बेहतर शिक्षा के लिए अटल आवासीय विद्यालय, एक लव्य विद्यालय स्थापित है, जिसमें जनजातीय समाज के बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल रही है। इस मौके पर राज्य मंत्री समाज कल्याण विभाग संजीव कुमार गौंड़, विधायक सदर भूपेश चौबे, विधायक घोरावल डॉ0 अनिल कुमार मौर्या, जिला पंचायत अध्यक्ष राधिका पटेल, अनुसूचित जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष जीत सिंह खरवार, पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, अपर जिलाधिकारी(वि0/रा0) वागीश कुमार शुक्ला सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

मिश्री में लगा गंदगी का अंबार, साफ सफाई करानें की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश
कोन /सोनभद्र। नव सृजित विकास खण्ड कोन के ग्राम पंचायत मिश्री में पासवान बस्ती की ओर जाने वाली लगभग 300 मीटर लंबी नाली की सफाई कई वर्षों से नहीं हुई है। इस लापरवाही के कारण स्थानीय ग्रामीणों में गहरा आक्रोश है।ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से नाली की सफाई न होने के कारण भारी मात्रा में गंदगी जमा हो गई है। इससे उन्हें दैनिक जीवन में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गंदगी के कारण संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। मिली जानकारी के अनुसार नाली का पानी अब मुख्य सड़क पर बह रहा है, जिससे आवागमन में लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है जिसके संबंध में स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग के अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करते हुए तत्काल नाली की सफाई कराने की मांग किया है। इस बावत् एडीओ पंचायत ने कहा कि ऐसा नहीं है पर अगर ग्रामीणों की शिकायत है तो सफाई अवश्य करा दिया जायेगा।

राज्यपाल ने कलेक्ट्रेट परिसर में नवनिर्मित सरदार बल्लभ भाई पटेल वाटिका का किया लोकार्पण

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र ।प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बृहस्पतिवार को कलेक्ट्रेट परिसर में नव निर्मित सरदार बल्लभ भाई पटेल वाटिका का लोकार्पण की, इस दौरान राज्यपाल ने वित्तीय समावेशन जागरूकता शिविर का शुभारम्भ फीता खोलकर की। इस दौरान राज्यपाल ने वित्तीय समावेशन जागरूकता शिविर में बैंकर्स व कोषागार, नाबार्ड, आरसेटी, इण्डियन बैंक, स्टेट बैंक, फार्मर प्रोड्यूसर आर्गेनाइजेशन द्वारा लगाये गये प्रदर्शनी का अवलोकन की। इस मौके पर राज्य मंत्री समाज कल्याण विभाग संजीव कुमार गौड़, विधायक सदर भूपेश चौबे, विधायक घोरावल डॉ0 अनिल कुमार मौर्या, जिला पंचायत अध्यक्ष राधिका पटेल, अनुसूचित जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष जीत सिंह खरवार, पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, वरिष्ठ कोषाधिकारी इन्द्रभान सिंह, लीड बैंक मैनेजर सलन बागे सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल्स के तहत जनपद स्तरीय तिलहन मेला आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश
गोन्डा। जनपद में नेशनल मिशन ऑन एडिबल योजना के

अन्तर्गत जनपद स्तरीय वर्कशाप, सेमिनार एवं तिलहन मेला .षि विज्ञान केंद्र गोपाल ग्राम में .षि विभाग गोंडा के तत्वाधान से आयोजित किया गया ।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रेम कुमार ठाकुर उपस्थित रहे,जिन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं नानाजी देशमुख के चित्रों पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया ।इस तिलहन मेला में डॉ. हरपाल सिंह ने वर्तमान समय में सरसों, अलसी आदि तिलहन फसलों के उत्पादन,.षि तकनीक एवं भंडारण के विषय में व्यापक चर्चा की। इसके साथ ही मिथिलेश झा ने तिलहनी फसलों का भारतीय अर्थव्यवस्था में योगदान तथा डॉ. ममता त्रिपाठी ने खाद्य प्रसंस्करण की विधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। अग्रणी .षक अनिल चंद पांडे द्वारा सरसों की विभिन्न प्रजातियों पर प्रकाश डाला गया तथा रवि शंकर सिंह पवन ने तिलहन उत्पादन के क्षेत्र में आ रही समस्याओं के बारे में बताया। डॉ. चंद्रमणि त्रिपाठी ने कहा कि तिलहन उत्पादन से .षक का जीवन स्तर एवं आय में वृद्धि संभव है। मुख्य अतिथि प्रेम कुमार ठाकुर ने रबी एवं खरीफ के मौसम में उपलब्ध तिलहन बीजों तथा तिलहन खेती पर .षि विभाग द्वारा दिए जाने वाले अनुदान संबंधी विस्तृत जानकारी किसानों को प्रदान की। कार्यक्रम में अरुण त्रिपाठी, दिवाकर, वीरेंद्र, अरविंद पाण्डेक्ष, राजेश तिवारी, ज्ञान प्रकाश,शैलेंद्र सिंह सहित अनेक किसान उपस्थित रहे।. षि विभाग से अनूप सिंह चौहान, रवि प्रताप नारायण सिंह, सुधीर सिंह,रोहित, निर्भय एवं श्री राम राजवंशी की उपस्थिति रही।

राज्यपाल के जनपद भ्रमण कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ एवं चाक–चौबंद रही

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। महामहिम राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल का जनपद सोनभद्र में प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम वृहस्पतिवार को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। महामहिम का आगमन पुलिस लाइन चुर्क हेलीपैड पर हुआ, जहां जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया गया ।महामहिम द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में सरदार वल्लभभाई पटेल वाटिका का लोकार्पण किया गया तथा वित्तीय समावेशन जागरूकता शिविर का शुभारम्भ किया गया। तत्पश्चात कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई और आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए गए। इसके उपरांत जिला पंचायत रिसोर्स सेंटर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई योजनाओं से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। महामहिम द्वारा

एच0पी0वी0 टीकाकरण कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए स्वास्थ्य विभाग के प्रयासों की सराहना की गई। साथ ही आदिवासी लाभार्थियों को भूमि पट्टा वितरण, आंगनबाड़ी किट वितरण एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत प्रमाण–पत्र वितरित किए गए। महामहिम के आगमन के . ष्टिगत पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा व्यापक एवं त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई। हेलीपैड से कार्यक्रम स्थलों तक रूट लाइनिंग कर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई। समस्त कार्यक्रम स्थलों पर ड्यूटी चार्ट के अनुसार राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों एवं पर्याप्त पुलिस बल को नियुक्त किया गया। डॉग स्क्वायड एवं एंटी–सबोटाज टीम द्वारा कार्यक्रम स्थलों की पूर्व सघन चेकिंग कराई गई। खुफिया इकाइयों को सक्रिय रखते हुए संदिग्ध व्यक्तियों/गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी गई। प्रवेश स्थलों पर बैरिकेडिंग एवं चेकिंग प्वाइंट स्थापित कर आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित की गई। सुरक्षा व्यवस्था में लगे समस्त पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों को सतर्क रहकर चप्पे–चप्पे पर नजर रखने व सघन चेकिंग करने के निर्देश दिए थे तथा स्वयं भी कार्यक्रम स्थल, बैरिकेटिंग, हेलीपैड, लीट रुट, सेफ हाउस, मंच, जनसभा स्थल को चेक कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा सुरक्षा व्यवस्था में लगे अधिकारी/कर्मचारीगण को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के मार्गदर्शन व दिए गए दिशा–निर्देशों के फलस्वरूप पुलिस बल द्वारा सजगता व सतर्कता पूर्वक मुस्तैद रहकर व चप्पे–चप्पे पर नजर बनाए रखते हुए माननीय राज्यपाल महोदया के कार्यक्रम को सकुशल व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया गया । कार्यक्रम के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने हेतु डायवर्जन प्लान लागू किया गया। पार्किंग स्थलों का पूर्व निर्धारण कर यातायात पुलिस की तैनाती की गई। भीड़ नियंत्रण एवं सुरक्षा के .ष्टिगत पर्याप्त महिला एवं पुरुष पुलिस बल की नियुक्ति की गई ।संपूर्ण कार्यक्रम के दौरान कानून–व्यवस्था पूर्णतया सामान्य रही। जनपद पुलिस द्वारा सतर्कता, समन्वय एवं प्रभावी प्रबंधन का परिचय देते हुए कार्यक्रम को सकुशल सम्पन्न कराया गया।

मिशन शक्ति के तहत किया गया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। पुलिस द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण के उद्देश्य से मिशन शक्ति 5.0 के तहत जनपद में व्यापक जागरूकता अभियान संचालित किया गया। मिशन शक्ति 5.0 के नेतृत्व में समस्त थाना क्षेत्रों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ संवाद स्थापित कर उन्हें सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गईं।अभियान के दौरान गुड टच–बैड टच, आत्मरक्षा के सरल उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक प्रावधानों, हेल्पलाइन सेवाओं एवं साइबर अपराधों से बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल/लिंक, सोशल मीडिया दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी तथा व्ज्ञ साझा न करने के संबंध में विशेष सतर्कता बरतने की अपील की गई। पुलिस द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न, घरेलू हिंसा या साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल पुलिस अथवा संबंधित हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क करें। प्रत्येक शिकायत पर त्वरित एवं विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी ।मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत महिला सुरक्षा को और सु.ढ़ करने के उद्देश्य से जनपद के विभिन्न बाजार क्षेत्रों में एसिड/तेजाब विक्रय करने वाली दुकानों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान दुकानदारों को एसिड विक्रय से संबंधित विधिक प्रावधानों की जानकारी दी गई तथा बिना वैध अभिलेख/पहचान पत्र के एसिड विक्रय न करने के निर्देश दिए गए। दुकानों के रजिस्टर, स्टॉक विवरण एवं सीसीटीवी व्यवस्था की जांच की गई। आवश्यक दिशा–निर्देश देते हुए भविष्य में नियमों के उल्लंघन पर कठोर वैधानिक कार्रवाई की चेतावनी दी गई।

छात्र का संदिग्धावस्था में पेड़ से लटका मिला शव,मचा हड़कंप

दैनिक बुद्ध का संदेश
गोन्डा। जनपद के थाना खरगूपुर अन्तर्गत इच्छापुरवा गांव में बुधवार रात उस समय हड़कंप मच गया,जब एक चौदह वर्षीय छात्र का शव गांव के बाहर सरसों के खेत में आम के पेड़ से लटका मिला ।घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई और परिजनों में कोहराम मच गया। स्थानीय चर्चा के मुताबिक मृतक की पहचान रज्जनपुर इंछापुरवा निवासी पिंटू वर्मा के पुत्र गुलशन वर्मा (14) के रूप में हुई है। गुलशन स्थानीय कंपोजिट विद्यालय में कक्षा 6 का छात्र था ।उसके पिता रोजी–रोटी के सिलसिले में मुंबई में रहते हैं ।परिजनों के अनुसार बुधवार शाम गुलशन घर से लकड़ी काटने की बात कहकर निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा ।चिंतित परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। रात करीब 8 बजे ग्रामीणों ने गांव से करीब 400 मीटर दूर सरसों के खेत में आम के पेड़ से उसका शव लटका देखा और तत्काल परिवार को सूचना दी। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि शव के पैर जमीन को छू रहे थे। साथ ही बाईं भौंह पर चोट के निशान और बाएं कान का कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त पाया गया, जिससे घटना को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं ।परिस्थितियां संदिग्ध होने के कारण ग्रामीणों में तरह–तरह की चर्चाएं हैं ।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। थाना प्रभारी शेषमणि पाण्डेय ने बताया कि मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा ।फिलहाल पुलिस परिजनों व ग्रामीणों से पूंछताछ कर रही है और सभी संभावित पहलुओं पर जांच जारी है। गांव में इस घटना के बाद शोक और दहशत का माहौल है। पुलिस ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और जांच में सहयोग करने की अपील की है।

शासन की मंशा के अनूरुप सभी कार्य ससमय किये जाये पूर्ण- प्रभारी मंत्री

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। जनपद मुख्यालय पर आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में बुधवार को रविंद्र जायसवाल प्रभारी मंत्री ने विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में सदर विधायक भूपेश चौबे,

जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह, पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा, जिला अध्यक्ष भाजपा नंदलाल गुप्ता, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 पंकज राय सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे ।बैठक के दौरान प्रभारी मंत्री ने लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियन्ता को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्माणाधीन सड़कों का कार्य मार्च माह तक गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विकास कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाये। इस दौरान मंत्री ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत 'हर घर नल योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि जिन स्थानों पर सड़कों को बिना अनुमति काटा गया है और मरम्मत कार्य लंबित है, संबंधित एजेंसियों के विरुद्ध लोक निर्माण विभाग और नगर पंचायत विभाग प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होने अधिशासी अभियंता, जल निगम को निर्देशित किया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में निर्धारित समयानुसार जलापूर्ति सुनिश्चित की जाए, विशेषकर आगामी ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए पेयजल संकट की स्थिति उत्पन्न न होने पाए। इस दौरान उन्होनें प्रभागीय वनाधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में चिरौंजी, अर्जुन जैसे उपयोगी वृक्षों का व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण कराया जाए, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ–साथ स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी उपलब्ध हों। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को वृक्षारोपण की शपथ भी दिलाई ।विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं की समीक्षा करते हुए ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत बाउंड्री वॉल, शौचालय, पेयजल, विद्युत आपूर्ति एवं अन्य मूलभूत व्यवस्थाओं को सु.ढ़ करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने विद्यालयों को गुणवत्तापूर्ण एवं आदर्श बनाने पर विशेष बल दिया ।अधिशासी अभियन्ता विद्युत विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद सोनभद्र में विद्युत आपूर्ति निर्धारित समयावधि के अनुसार सुनिश्चित की जाए और किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। उन्होने कहा कि ट्रान्सफार्मर मरम्मत का कार्य निर्धारित समय अवधि में किया जाये, डीसी मनरेगा को जी–राम योजना का व्यापक प्रचार–प्रसार करने के निर्देश दिए गए, ताकि श्रमिकों को योजना का अधिकतम लाभ मिल सके। प्रभारी मंत्री ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण हेतु सभी विभाग समन्वय स्थापित कर नवाचार अपनाएं और जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

किराए के मकान में बिजली चोरी का मामला, मकान मालिक पर कार्रवाई की चेतावनी

दैनिक बुद्ध का संदेश
श्रावस्ती। जनपद श्रावस्ती के इकौना नगर पंचायत क्षेत्र के मोहल्ला शास्त्री नगर में बिजली चोरी का मामला सामने आया है। घटना नगर पंचायत कार्यालय के पीछे की बताई जा रही है, जहां रुखसाना पत्नी अतीक ने अपना मकान किराए पर दे रखा था। प्राप्त जानकारी के अनुसार रुखसाना ने अपना मकान मोहल्ला आजाद नगर निवासी रईस पुत्र गुल को नाई की दुकान चलाने के लिए किराए पर दिया था। आरोप है कि किराएदार ने विद्युत कर्मियों की मिलीभगत से अवैध तरीके से बिजली की लाइन जुड़वा ली। बताया जा रहा है कि कुछ दिन बाद किराएदार चुपचाप दुकान खाली कर फरार हो गया। इसके बाद संबंधित विद्युत कर्मचारी अधिकारियों के साथ मकान मालिक के घर पहुंचे और अवैध कनेक्शन दिखाते हुए उनके विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराने की चेतावनी दी। मकान मालकिन रुखसाना का कहना है कि अवैध विद्युत कनेक्शन से उनका कोई लेना–देना नहीं है। उन्होंने बताया कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी और न ही उन्होंने किसी प्रकार की बिजली चोरी में सहभागिता की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि किराएदार द्वारा अवैध कार्य किया गया है तो उसकी जिम्मेदारी उसी की तय की जानी चाहिए। मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। अब देखना यह होगा कि जांच के बाद विद्युत विभाग किसके विरुद्ध कार्रवाई करता है और सच्चाई क्या निकलकर सामने आती है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक:- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टावर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ0प्र0-271201 से प्रकाशित । आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 । सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

द पैराडाइज का गाना आया शेर रिलीज, अनिरुद्ध की दमदार धुन ने नानी के मास अवतार को और भी बेहतर बना दिया

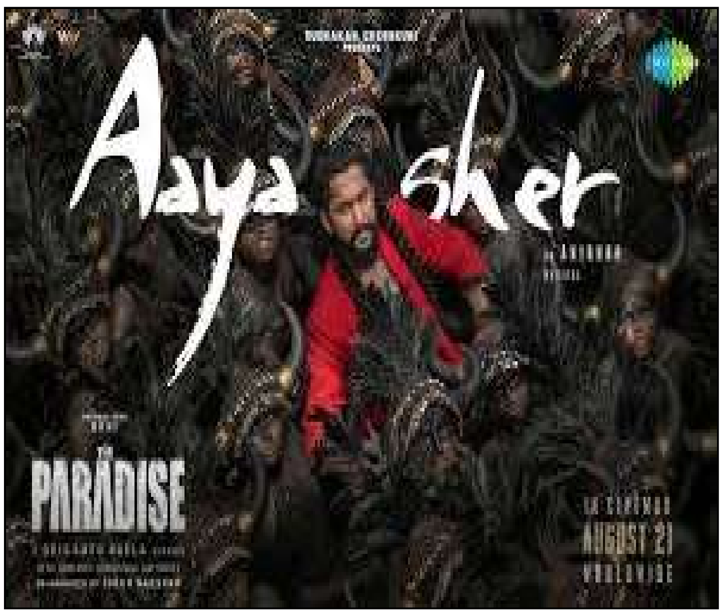

द पैराडाइज के मेकर्स ने फैंस के लिए एक बड़ा तोहफा दिया है, जिसका बहुत इंतजार था, आया शेर गाना पूरी तरह रिलीज हो गया है, और यह तुरंत सोशल मीडिया पर छा गया है। इस हाई–एनर्जी ट्रैक में नानी को बिल्कुल नए, रफ एंड टफ अवतार में दिखाया गया है, जो फिल्म के 1960 के दशक के गैंगस्टर बैकग्राउंड से पूरी तरह मेल खाता है। पहली बीट से ही, यह गाना एक जबरदस्त मास मूड बनाता है और किरदार जदल को एक मजबूत ऊंचाई देता है। कैची हुक लाइन और रॉ लिरिक्स सीटी बजाने लायक वाइब को और बढ़ाते हैं, जिससे यह साफ हो जाता है कि यह गाना बड़े पर्दे और उन फैंस के लिए बनाया गया है जो बड़े–से–बड़े पलों का आनंद लेते हैं।

अनिरुद्ध रविचंदर का बनाया यह गाना अपबीट बीट्स से भरा है और इसमें एक जबरदस्त बैकग्राउंड स्कोर भी है जो मूड सेट करता है। गाने में नानी के पावर–पैक्ड डांस मूव्स, किलर बॉडी एक्सप्रेशन और मास मेकओवर आपके रोंगटे खड़े कर देंगे। गाने में सुंदर की मास कोरियोग्राफी भी है, जिसमें कुछ बदलते पैटर्न और पावर–पैक्ड मूव्स हैं जो कैरेक्टर के उदय और बिल्ड–अप को दिखाते हैं। यह गाना मजबूत लीड के लिए एक कैरेक्टर इंट्रोडक्शन का काम करता है और न केवल एक कैच वाला गाना लगता है। मेकर्स ने इस गाने को रामोजी फिल्म सिटी में सैकड़ों डांसर्स और एक बड़े सेट के साथ बड़े लेवल पर बनाया, जो उस जमाने का माहौल बनाता है। हर फ्रेम फिल्म के स्केल और द पैराडाइज की दुनिया को डिजाइन करने में की गई मेहनत को दिखाता है। नानी की वॉरियर जैसी स्टाइलिंग और रॉ स्क्रीन प्रेजेंस उनके पहले के रोल्स से एक साफ बदलाव दिखाते हैं, जो उन्हें ज्यादा इंटेंस और मैसी जोन में दिखाते हैं। विजुअल्स, कॉस्ट्यूम्स और लाइटिंग मिलकर गाने को फैंस के लिए एक असली फेस्टिवल जैसा फील देते हैं। श्रीकांत ओडेला के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में दशहरा की सफल जोड़ी फिर से साथ आ रही है, जिससे उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं। इस प्रोजेक्ट में मोहन बाबू भी एक अहम रोल में हैं। अब इसकी रिलीज 21 अगस्त तक बढ़ा दी गई है, और फिल्म एक ग्रैंड मल्टीलिंगुअल लॉन्च के लिए तैयार है। आया शेर को मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स के बाद, द पैराडाइज को लेकर हाइप एक नए लेवल पर पहुँच गई है।

अभिनेत्री सम्युक्ता का सबसे दमदार रूपः स्वयंभू के टीजर में वॉरियर अवतार ने मचाया तहलका

अपनी पिछली फिल्मों की कामयाबी पर सवार सम्युक्ता ने स्वयंभू के टीजर में ऐसा पावरफुल इम्पैक्ट छोड़ा है कि नजर हटाना मुश्किल हो जाए। इस बार वो नजर आती हैं एक भयंकर

योद्धा के रूप में, जो अफरातफरी को चीरते हुए पूरे कॉन्फिडेंस और इंटेंसिटी के साथ आगे बढ़ती है। गूंथी हुई चोटी, युद्ध के लिए तैयार तेवर, और रफ–टफ योद्धा वेशभूषा में सम्युक्ता कच्ची ताकत और अटूट इरादे का प्रदर्शन करती दिखती हैं। उनका किरदार शब्दों से नहीं, एक्शन से बोलता है और हर फ्रेम ये इशारा देता है कि वो अपने करियर के सबसे साहसी क्रिएटिव फेज में कदम रख चुकी हैं। ये भूमिका इसलिए भी खास लगती है क्योंकि इससे पहले उनका परफॉर्मेंस ट्रैक रिकॉर्ड बेहद मजबूत रहा है। भीमला नायक में उन्होंने अपनी दमदार मौजूदगी से सबको प्रभावित किया, बिम्बिसार में पौराणिक दुनिया को एक्सप्लोर किया, विरुपाक्ष में थ्रिल का तड़का लगाया और सर में जमीन से जुड़ा अभिनय पेश किया। अब स्वयंभू में ऐसा लगता है जैसे इन सभी अनुभवों का संगम दिख रहा हो और सम्युक्ता खुद का और भी ताकतवर संस्करण बनकर सामने आई हों। टीजर में वो एक निडर और बेखौफ योद्धा के रूप में दिखती हैं, जो जेंडर की तय सीमाओं को चुनौती देते हुए तीखे एक्शन सीक्वेंस में कमान अपने हाथ में लेती है। कभी धनुष–बाण साधती हुई, तो कभी तलवार लहराती हुई कृ हर सीन इस बात का सबूत है कि इस किरदार के लिए उन्होंने जबरदस्त शारीरिक ट्रेनिंग और तैयारी की है। सम्युक्ता कहती हैं, स्वयंभू मेरे दिल के बेहद करीब है क्योंकि मैंने हमेशा ऐसे किरदार चुने हैं जो मुझे मेरे कम्फर्ट जोन से बाहर ले जाएं। इस भूमिका ने मुझे शारीरिक और मानसिक, दोनों स्तर पर ऐसी चुनौती दी जैसा पहले कभी महसूस नहीं किया। एक गांव की महिला की आत्मा और शक्ति को समझने से लेकर घुड़सवारी और तीरंदाजी की कड़ी ट्रेनिंग तक, ये सफर बेहद गहन और परिवर्तनकारी रहा। इस किरदार में वो सब कुछ है जिसका एक अभिनेता सपना देखता है ताकत, संवेदनशीलता और एक मजबूत आवाज। इस उग्र योद्धा रूप में ढलना मेरे करियर के सबसे संतोषजनक अनुभवों में से एक रहा है। स्वयंभू के अलावा भी सम्युक्ता के पास कई दिलचस्प प्रोजेक्ट्स लाइनअप में हैं, जहां वो अपनी बढ़ती रेंज दिखाती नजर आएंगी। जल्द ही वो ब्लैक गोल्ड में एक सशक्त पुलिस अधिकारी के रूप में फिल्म को लीड करेंगी और साथ ही पुरी जगन्नाध की स्लम डॉग में विजय सेतुपति और तब्बू के साथ स्क्रीन साझा करती दिखाई देंगी।

दिव्या दत्ता की चिरैया का टीजर आउट, घर में होने वाले अन्याय पर उठाएगी सवालय जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी सीरीज?

दिव्या दत्ता की नई वेब सीरीज चिरैया का टीजर आ गया है। यह टीजर भारतीय घरों में होने वाले अन्याय पर सवाल उठाता है। जानें कहां देख सकेंगे सीरीज।

कुछ ही देर पहले नई सीरीज चिरैया का टीजर रिलीज हुआ है। इस सीरीज की शुरुआत एक शादी के खुशी भरे मंजर से होती है। एक नई दुल्हन, पूजा, बेहतर जिंदगी की उम्मीद के साथ नया जीवन शुरू करती दिखती है। लेकिन अचानक एक डरावना मोड़ सामने आता है, जिसमें दुल्हन को छत पर उदास और सदमे में दिखाया जाता है। उसके चेहरे पर आंसू हैं और शरीर पर चोट

के निशान दिखते हैं। जिसे देखकर दिव्या दत्ता भी चौंक जाती हैं।

सीरीज की कहानी के बारे में बता करें तो यह शादी के जश्न के पीछे एक कड़वी सच्चाई के बारे में है। यह सीरीज सवाल उठाती है कि क्या शादी के बाद अगर पति अपनी पत्नी पर किसी भी तरह का दबाव डाले, तो क्या यह सही है? शादी कोई लाइसेंस नहीं है और हर बार चुप रहना का मतलब हां नहीं होता।

रिपोर्ट के अनुसार, अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने चिरैया को लेकर कहा कि इस किरदार को निभाते हुए उन्हें रिश्तों की कड़वी हकीकत का सामना करना पड़ा। उन्होंने बताया, हम अक्सर रिश्ते बचाने या शांति बनाए रखने के नाम पर खुद को चुप कर लेते हैं। शादी को बिना सवाल किए सहमति मान लिया जाता है और त्याग को इतना रोमांटिक बना दिया जाता है कि दर्द गायब हो जाता है। यह कहानी सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हम गलत को देखकर चुप रहें या सही के लिए आवाज उठाएं।

चिरैया वेब सीरीज शशांत शाह के निर्देशन में बनी है और एसवीएफ एंटरटेनमेंट ने इसे बनाया है। इसमें दिव्या दत्ता के अलावा संजय मिश्रा, सिद्धार्थ शॉ, प्रसन्ना बिष्ट, फैसल राशिद, टीनू आनंद, सरिता जोशी जैसे कलाकार हैं। चिरैया जल्द ही जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

फिल्म सूबेदार का पहला गाना लल्ला जारी, रौब जमाते अनिल कपूर का अंदाज देखने लायक

लल्ला एंथमरू ए वार्निंग फ्रॉम सूबेदार को मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स के बाद, प्राइम वीडियो और टी–सीरीज ने आज अपनी आने वाली ओरिजिनल फिल्म सूबेदार के ऑफिशियल सॉन्ग वीडियो

लल्ला को रिलीज कर दिया है. इस फिल्म में अनिल कपूर लीड रोल में हैं. यह गाना पूरी तरह से जोश और शानदार विजुअल्स से भरपूर है, जो सूबेदार अर्जुन मौर्य की ताकत, गर्व और उनके अटूट उसूलों को बखूबी दिखाता है. रोहन–विनायक के म्यूजिक और ऋषि उपाध्याय के लिखे इस गाने को विशाल ददलानी ने अपनी आवाज दी है. यह ट्रैक फिल्म की कहानी के बीच चल रहे तनाव और टकराव को एक म्यूजिकल मुकाबले के जरिए पेश करता है. वैसे भी सूबेदार में अनिल कपूर सनी देओल जैसा एक्शन दिखा रहे हैं.

लल्ला गाने की धुन और उसकी रफ्तार पर्दे पर बढ़ते तनाव को बखूबी दिखाती है, जिसमें फिल्म के कुछ दमदार और रफ–टफ सीन्स की झलकियां भी देखने को मिलती हैं. वीडियो में आदित्य रावल, सौरभ शुक्ला, फैसल मलिक, मोना सिंह और राधिका मदान के किरदारों की प्रभावशाली झलकियां दिखाई गई हैं, जो सूबेदार अर्जुन मौर्य (अनिल कपूर) की कहानी और उनके इमोशनल सफर को और भी गहरा बनाती हैं.

लल्ला सॉन्ग के सिंगर विशाल ददलानी ने कहा, जब लल्ला पहली बार एंथम के तौर पर आया था, तो लोग इसकी एनर्जी से तुरंत जुड़ गए थे. लेकिन एक पूरे गाने के रूप में यह और भी गहरा है, और मुझे इसकी सधी हुई इंटेंसिटी ने सबसे ज्यादा प्रभावित किया. ध्यह अपनी जगह पर डटे रहने और अपनी पहचान बनाए रखने की भावना को समेटे हुए है. रिकॉर्डिंग के दौरान, मैं चाहता था कि मेरी आवाज उस मजबूती और संकल्प से मेल खाए, जो अनिल सर स्क्रीन पर लेकर आए हैं. यह गाना उसी भरोसे को दिखाता है, यह जितना दबदबे के बारे में है, उतना ही अंदरूनी ताकत के बारे में भी है. सूबेदार का प्रीमियर 5 मार्च को खास तौर पर प्राइम वीडियो इंडिया पर होने जा रहा है. यह फिल्म भारत के साथ–साथ दुनिया भर के 240 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में रिलीज की जाएगी.

रोजाना 10 मिनट स्केचिंग करने की आदत कैसे डालें ? जानिए

रोजाना 10 मिनट की स्केचिंग की आदत डालना एक सरल और असरदार तरीका है, जिससे आप अपनी रचनात्मकता को बढ़ा सकते हैं। यह आदत न केवल आपके दिमाग को शांत करती है, बल्कि आपके विचारों को साफ करने में भी मदद करती है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान कदम बताएंगे, जिनसे आप इस आदत को आसानी से अपना सकते हैं और अपने जीवन में रचनात्मकता ला सकते हैं।

सही समय चुनें

रोजाना स्केचिंग के लिए सही समय चुनना बहुत जरूरी है। सुबह का समय सबसे अच्छा होता है क्योंकि इस समय आपका मन शांत होता है और आप नई ऊर्जा के साथ शुरुआत कर सकते हैं। अगर सुबह का समय संभव न हो तो शाम को भी आप यह कर सकते हैं, बस सुनिश्चित करें कि आपके पास बिना किसी रुकावट के 10 मिनट हों ताकि आप पूरी तरह से इस गतिविधि पर ध्यान केंद्रित कर सकें।

जरूरी सामान तैयार रखें

स्केचिंग के लिए जरूरी सामान जैसे पेंसिल, कागज और रबर हमेशा तैयार रखें। एक छोटा सा नोटबुक अपने पास रखें, जिसमें आप रोजाना कुछ नया बना सकें। अगर आप चाहें तो रंगीन पेंसिल या रंग भी उपयोग कर सकते हैं, जिससे आपके स्केच और भी सुंदर बनेंगे। इसके अलावा एक आरामदायक जगह चुनें जहां आप बिना किसी व्यवधान के स्केचिंग कर सकें और अपना पूरा ध्यान इस पर केंद्रित कर सकें।

बिना किसी दबाव के शुरू करें

स्केचिंग करते समय खुद पर कोई दबाव न डालें। यह सिर्फ एक अभ्यास है, इसलिए इसे मजे के रूप में लें। शुरुआत में सरल चित्र बनाएं जैसे पेड़, फूल या कोई भी साधारण वस्तु। धीरे–धीरे आप अधिक जटिल चित्र बनाने में सक्षम होंगे। अपने स्केच पर ज्यादा सोच–विचार न करें और बस अपने हाथों को स्वतंत्र छोड़ दें ताकि आपकी रचनात्मकता बेझिझक बह सके। इससे आपको स्केचिंग का असली मजा मिलेगा और आप नियमित रूप से इसे करने लगेंगे।

प्रेरणा लेंः अपनी स्केचिंग क्षमताओं को सुधारने के लिए अन्य कलाकारों से प्रेरणा लें। इंटरनेट पर उपलब्ध विभिन्न वीडियो देखें या किताबें पढ़ें, जो आपको नए तरीकों और विचारों से अवगत कराएं। इसके अलावा अपने आसपास की दुनिया को ध्यान से देखें और उसमें से प्रेरणा लें। पार्क में टहलते हुए पेड़ों, फूलों या किसी भी वस्तु को ध्यान से देखें और उन्हें अपने स्केच में उतारने की कोशिश करें। इससे आपकी रचनात्मकता और भी बढ़ेगी।

नियमितता बनाए रखें

कोई भी आदत नियमितता से ही बनती है इसलिए रोजाना 10 मिनट स्केचिंग करने की कोशिश करें। अगर कभी भूल जाएं तो खुद को दोष न दें बल्कि अगले दिन फिर से इसे दोहराएं। धीरे–धीरे यह आपकी दिनचर्या का हिस्सा बन जाएगी और आपको इसके कई फायदे महसूस होंगे। इस तरह आप आसानी से अपनी रचनात्मकता बढ़ा सकते हैं और रोजाना 10 मिनट स्केचिंग करने की आदत डाल सकते हैं।